सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, पाठकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 26 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 28 जनवरी के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

– संपादक

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 176 | गुवाहाटी | रविवार, 26 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चीन वाटर बम की तरह कर सकता है सबसे बड़े डैम का इस्तेमाल, मच ... पेज 2

कांग्रेस के लिए वंशवाद पहले, संविधान सबसे आखिरी में : सोनोवाल पेज 3

हिंदू सेवा राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पर फायरिंग मामले में चार पुलिस ... पेज 5

रोहित, पांड्या, बुमराह, अर्शदीप आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल पेज 7

राष्ट्रपति ने राष्ट्र को किया संबोधित, कहा–

एक राष्ट्र एक चुनाव से सुशासन को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में *एक राष्ट्र एक चुनाव* से जुड़े सरकार के विशेष प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे सुशासन को नया आयाम मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने महाकुंभ को भारत की समृद्ध विरासत की अभिव्यक्ति बताया और कहा कि वर्तमान में हमारी परंपराओं और रीति रिवाजों को पुनर्जीवित करने के कई प्रयास चल रहे हैं। राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव जैसे सुधारों के लिए दूरदर्शिता और साहस की आवश्यकता होती है। इस संबंध में विधेयक को संसद में पेश किया गया है। इससे शासन में स्थिरता आएगी। नीतिगत पंगुता रुकेगी, संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा तथा वित्तीय बोझ घटेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने भाषण में संविधान और चुनाव प्रक्रिया के 75 वर्षों की यात्रा का उल्लेख किया और कहा कि इस दौरान सोये भारत की आत्मा फिर से जागी और विश्व समुदाय में समुचित स्थान प्राप्त करने के लिए अग्रसर हुई है। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में सभी समुदायों और हिस्सों का प्रतिनिधित्व था। महिला सशक्तिकरण जब एक दूरस्थ आदर्श था, हमारे राष्ट्र की नियति को आकार देने में महिलाओं *–शेष पृष्ठ दो पर*

गणतंत्र दिवस पर 942 जवानों को मिलेगा वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पुलिस, अग्निशमन, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा और सुधार सेवाओं के कुल 942 कर्मियों को विभिन्न श्रेणियों के वीरता और सेवा पदक (गैलेंट्रि अवार्ड) से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि पुरस्कार पाने वालों में पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा के कर्मी और सुधारात्मक सेवाओं में काम करने वाले कर्मी शामिल हैं। वीरता पुरस्कार विजेताओं में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात 28, जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में 28, पूर्वोत्तर में तीन और अन्य क्षेत्रों में तैनात 36 को उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए सम्मानित किया जा रहा है। 101 जवानों को विशिष्ट सेवा (पीएसएम) के लिए राष्ट्रपति पदक सौंपे गए हैं। इनमें से 85 पुलिस कर्मियों को, पांच अग्निशमन सेवा कर्मियों को, सात नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड सेवा को और चार सुधारात्मक सेवा पुरस्कार दिए गए हैं। इसके अलावा जिन कर्मियों को 746 सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) दिए गए, उनमें से 634 पुलिस सेवा, 37 अग्निशमन सेवा, 39 नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक सेवा तथा 36 सुधारात्मक सेवा को दिए जाएंगे। यहां पूरी लिस्ट देख सकते हैं। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) पाने वाले जवानों को 6000 रुपए प्रति माह दिया जाता है। *–शेष पृष्ठ दो पर*

पद्मश्री : फल किसान, कठपुतली कलाकार समेत 30 गुमनाम नायकों के नाम घोषित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को पद्म पुरस्कार 2025 की घोषणा की। मध्य प्रदेश की सामाजिक उद्यमी सैली होल्कर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली, कुवैत की योग शिक्षिका शेखा एजे अल सबा, उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपत्ति ह्यूग और कोलीन गैंटजर को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। देश की पहली महिला कठपुतली कलाकार समेत 30 गुमनाम नायकों को केंद्र ने पद्मश्री से सम्मानित किया है। भीम सिंह भावेश, पी दत्ताचनमूर्ति, एल हंगथिंग और *–शेष पृष्ठ दो पर*

महाकुंभ : संगम में डुबकी लगाने आ रहे 73 देशों के राजनयिक

महाकुंभ नगर। महाकुंभ नगर में 73 देशों के राजनयिक संगम में डुबकी लगाएंगे। रूस और यूक्रेन के राजदूत भी इस ऐतिहासिक महाआयोजन में शामिल होंगे। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने पुष्टि की है कि राजनयिक एक फरवरी को आ रहे हैं। आनंद ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भी लिखा है, जिसमें कहा गया है कि जापान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन, जर्मनी, नीदरलैंड, कैमरून, कनाडा, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, पोलैंड और बोलीविया सहित कई देशों के राजनयिक महाकुंभ में भाग लेंगे। खास बात यह होगी कि इस मौके पर रूस और यूक्रेन के *–शेष पृष्ठ दो पर*

एडवांटेज असम से अधिकतम् लाभ प्राप्त करने का हो रहा प्रयास : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एडवांटेज असम 2.0 सम्मेलन के लिए सिर्फ एक महीना बचा है। इस अंतरराष्ट्रीय और निवेश सम्मेलन से राज्य को अधिकतम् लाभ प्राप्त कराने के लिए हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने दक्षिण कोरिया और जापान के व्यापारिक नेताओं से सफल वार्ता की और इसके परिणामस्वरूप कार्यान्वयन से असम को नई दिशा में समृद्धि प्राप्त होगी, मुझे पूरा विश्वास है। उन्होंने एक अन्य जारी बयान में कहा कि अमीनगांव-बरपेटा राजमार्ग बाइपास के लिए रास्ता साफ हो गया है। अमीनगांव, दादरा, सिंगिमारी, हाजो, मुकालमुआ, रामपुर, बरपेटा, हाउली से एनएच 427 पर गुजरते हुए अमीनगांव तक 75 किलोमीटर लंबे बरपेटा *–शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

SITUATION VACANT

Hiring Civil Engineer, Marketing Executive 10 nos for Guwahati & Hojai District.
Contact : 80112-41415, 99578-96885
assureconsultancy0707@gmail.com

चीन वाटर बम की तरह कर सकता है सबसे बड़े डैम का इस्तेमाल, मच जाएगी तबाही : खांडू

नई दिल्ली। चीन पूर्वी तिब्बत में दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने जा रहा है। भारत चीन की इस परियोजना पर चिंता भी व्यक्त कर चुका है। वहीं दुनियाभर में चीन के इस प्रोजेक्ट पर सवाल भी उठने लगे हैं। चीन इस बांध की मदद से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की अर्थव्यस्था को नियंत्रिण करने की कोशिश में है। पूर्वोत्तर में बाढ़ और सूखा चीन के हाथ में होगा। पूर्वोत्तर के दो बड़े राज्यों के मुख्यमंत्री भी चीन की परियोजना पर सवाल उठा चुके हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में कहा था कि चीन के इस बांध से ब्रह्मपुत्र नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचेगा। नदी के पानी में भी कमी आएगी और सूखा जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन की बांध परियोजना पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने चेताया कि चीन इसका इस्तेमाल *वाटर बम* के तौर पर कर सकता है। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा परिसर में शुक्रवार को *पर्यावरण और सुरक्षा* नामक एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसके उद्घाटन समारोह में सीएम पेमा खांडू पहुंचे। उन्होंने वाटर बम वाला बयान इसी सेमिनार में दिया। चीन यारलुंग त्सांगपो नदी पर जलविद्युत परियोजना का निर्माण कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश में इस नदी को सियांग नाम से जाना जाता है। असम में इसे ब्रह्मपुत्र कहा जाता है। चीन के इस बांध से 60,000 मेगावाट बिजली पैदा होगी। पत्रकारों से बातचीत में सीएम पेमा खांडू ने कहा कि अगर चीन इतनी बड़ी परियोजना बना रहा है तो इसका सियांग और ब्रह्मपुत्र नदी के आसपास के इलाकों की पारिस्थितिकी पर बड़ा असर होगा। यह एक बड़ा खतरा है। अगर चीन ने इसे वाटर बम के तौर पर इस्तेमाल किया तो सियांग बेल्ट में रहने वाली आदि जनजाति गायब हो जाएगी। असम में लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ेगी। इसका असर बांग्लादेश तक होगा। पेमा खांडू ने कहा कि इस मामले में मैं सभी हितधारकों से बात कर रहा हूं ताकि चीन के वाटर बम के खिलाफ हम अपनी जल सुरक्षा को बनाए रखें। हम शांति और अहिंसा को बढ़ावा देते हैं और अच्छे संबंध चाहते हैं। मगर इतिहास को देखते हुए बड़ा सवाल यह है कि क्या हम चीन पर भरोसा कर सकते हैं? सीएम ने कहा कि विदेश मंत्रालय कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीन के साथ बांध के मुद्दे पर चर्चा कर रहा है। मगर तैयार रहना अहम है। उन्होंने कहा कि चीन बांध के माध्यम से पानी की मात्रा और टाइमिंग को नियंत्रि कर सकता है। सर्दियों में सियांग और ब्रह्मपुत्र नदियां सूख सकती है।

इंतजार खत्म... यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड

कल सीएम करेंगे पोर्टल लॉन्च

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी को देहरादून के दौरे पर आने वाले हैं। राष्ट्रीय खेलों का शुभारंभ देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम मोदी के देहरादून आगमन से एक दिन पहले 27 जनवरी को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने जा रही है। उसी दिन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यूसीसी पोर्टल भी लॉन्च करेंगे। गौरतलब है कि इससे उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगोली ने कहा कि यूसीसी पोर्टल 27 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे सचिवालय में लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि उत्तराखंड सरकार की सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) ने राज्य के समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पोर्टल के संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने के लिए 22 जनवरी को इसका अभ्यास किया था। उत्तराखंड आयोजित अभ्यास के दौरान 3,500 से अधिक नागरिकों (सभी काल्पनिक प्रविष्टियां) को उत्तराखंड यूसीसी पोर्टल पर पंजीकृत किया गया, जबकि रजिस्ट्रार और उप-रजिस्ट्रार ने इनमें से लगभग 200 आवेदनों पर कार्रवाई की। अभ्यास के दौरान नागरिक मॉड्यूल के भीतर, खासतौर पर आधार-आधारित पंजीकरण प्रक्रिया में मामूली तकनीकी मुद्दों की पहचान की गई। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में रजिस्ट्रार और उप-रजिस्ट्रार उपयोगकर्ता खातों के बीच मानचित्रण त्रुटियां दर्ज की गईं। आईटीडीए ने तुरंत इन मुद्दों का संज्ञान लिया और उनसे निपटने की प्रक्रिया शुरू कर दी, साथ ही समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए अन्य उपाय भी लागू किए। बयान के मुताबिक, उत्तराखंड यूसीसी पोर्टल सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और राज्य भर के नागरिकों को इन तक बेहतर पहुंच दिलाने के लिए तैयार है। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए नियमों और विनियमों को मंजूरी दी थी और इसे लागू करने की तारीख चुनने का जिम्मा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा था। धामी पहले ही कह चुके हैं कि यूसीसी इसी महीने लागू किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इसके कार्यान्वयन के लिए कोई तारीख नहीं बताई है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शोणितपुर से विस्फोटक बरामद

शोणितपुर (हि.स.)। असम पुलिस ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आज सुबह शोणितपुर जिले से भारी मात्रा में विस्फोट सामग्री बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शोणितपुर जिलांतर्गत ढेकियाजुली थाना क्षेत्र के हुगराजुली के खाबला गांव में एक रबर के बागान में खुदाई कर पांच हैंड ग्रेनेड, तीन डेटोनेटर एवं बम बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई है। पुलिस विस्फोटक सामग्री को अपने साथ थाना ले गई। हालांकि, इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि रबर के बागान में विस्फोटकों को किसने और किस मकसद से छुपाया था। सूत्रों का कहना है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए इनको छुपाकर रखा गया था। पुलिस प्रशासन गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए पूरे राज्य में भारी चौकसी बरत रहा है।

जीएमसीएच में नाबालिग लड़की का यौन शोषण, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में एक नाबालिग लड़की पर एक सफाईकर्मी ने कथित रूप से यौन हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुवाहाटी के पुलिस उपायुक्त (पूर्वी पुलिस जिला) की ओर जारी किए गए बयान में कहा गया है कि 21 जनवरी को बानागढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई कि जीएमसीएच में इलाज करा रही एक नाबालिग लड़की पर एक सफाईकर्मी ने यौन हमला किया। शुक्रवार को जारी किए गए इस बयान में कहा गया है कि बीएनएस और पॉक्सो कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। बयान में कहा गया है कि पॉक्सो कानून के मुताबिक पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण किया गया और न्यायिक रूप से उसका बयान दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रक्रिया के तहत तकनीकी सबूत एवं अन्य संबंधित साक्ष्य वैज्ञानिक ढंग से एकत्र किए गए। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शीघ्र ही आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा।

ओड़िशा-छत्तीसगढ़ की वित्तीय सेहत सबसे मजबूत, पंजाब की हालत खराब : नीति आयोग

नई दिल्ली। वित्तीय सेहत के मामले में ओड़िशा, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात जैसे राज्यों की स्थिति मजबूत दिख रही है, वहीं पंजाब, आंध्र प्रदेश, बंगाल, केरल की वित्तीय सेहत खराब है। इन राज्यों की सरकार को वित्तीय सेहत में सुधार के लिए काफी प्रयास करने होंगे। नीति आयोग ने देश के 18 बड़े राज्यों की वित्तीय सेहत का सूचकांक शुक्रवार को जारी किया है। यह सूचकांक वित्त वर्ष 2022-23 में राज्यों के वित्तीय प्रदर्शन पर तैयार किया गया है। इसमें ओड़िशा पहले स्थान पर तो पंजाब अंतिम स्थान पर रहा। दूसरे नंबर पर छत्तीसगढ़ तो तीसरे स्थान पर गोवा रहा। आंध्र प्रदेश नीचे से दूसरा तो बंगाल नीचे से तीसरे स्थान पर रहा। इस सूचकांक रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब, बंगाल व केरल की वित्तीय स्थिति पिछले नौ सालों से चुनौतीपूर्ण रही है। वहीं, झारखंड की वित्तीय स्थिति पहले की तुलना में मजबूत हुई है। सूचकांक में झारखंड चौथे स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश सातवें, बिहार 13वें, हरियाणा 14वें तो मध्य प्रदेश नौवें स्थान पर है। वित्तीय सेहत का सूचकांक पांच पैमानों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इनमें गुणवत्ता वाले खर्च, राज्यों की तरफ से अपने प्रयास से जुटाए गए राजस्व, राजकोषीय घाटे की स्थिति, राज्यों पर कुल कर्ज और कर्ज के भुगतान में हो रही कमी या बढ़ोतरी को शामिल किया गया है। गुणवत्ता वाले खर्च में शिक्षा व अस्पताल जैसे सामाजिक कार्यों के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर होने वाले खर्च शामिल है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी देते हुए इस कदम के खिलाफ उसकी पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में वांछित है और भारत उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था। भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए राणा के पास यह अंतिम कानूनी मौका था इससे पहले, वह सैन फ्रांसिस्को में नॉर्थ सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय समेत कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हार चुका है। राणा ने 13 नवंबर को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 21 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने उसकी अपील खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि याचिका को खारिज किया जाता है। राणा को वर्तमान में लॉस एंजिलिस के *मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर* में हिरासत में रखा गया है। इससे पहले अमेरिकी सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि पुरीक्षण याचिका को खारिज किया जाना चाहिए। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी. प्रीलोगर ने 16 दिसंबर को उच्चतम न्यायालय में दाखिल अपने दस्तावेज में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राणा इस मामले में भारत प्रत्यर्पण से छूट का हकदार नहीं है। नौवें सर्किट के लिए *यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स* के फैसले की समीक्षा के वास्ते अपनी पुनरीक्षण याचिका में राणा ने दलील दी थी कि मुंबई पर 2008 के आतंकवादी हमले से संबंधित आरोपों पर इलिनॉय (शिकागो) के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक में संघीय अदालत में उस पर मुकदमा चलाया गया और उसे बरी कर दिया गया था। याचिका में दलील दी कि कि भारत अब शिकागो मामले में समान कृत्य के आधार पर आरोपों को लेकर मुकदमा चलाने के लिए उसे प्रत्यर्पित करना चाहता है। प्रीलोगर ने उसकी दलील का विरोध किया। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि सरकार यह नहीं मानती कि जिस कृत्य के लिए भारत प्रत्यर्पण चाहता है, वह इस मामले में सरकारी अभियोजन के दायरे में थे।

पृष्ठ एक का शेष

एक राष्ट्र एक चुनाव ...

की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सरकार के दूरदर्शी आर्थिक सुधारों और उनसे प्राप्त प्रगति का उल्लेख किया और कहा कि सरकार समावेशी विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने जन कल्याण को नई परिभाषा दी है और आवास तथा जल जैसी बुनियादी जरूरत को अधिकार माना है। पिछड़े वर्गों का डिजिटल समावेशन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत को आजादी भले ही मिली थी लेकिन अब औपनिवेशिक मानसिकता को बदलने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख किया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उसमें शोध कार्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों तथा खेल, अंतरिक्ष और साइबर फिजिकल सिस्टम जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत की बढ़ते कदमों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर दुनिया के लिए एक उदाहरण बन रहा है। मिशन लाइफ के माध्यम से भारत ने दुनिया को एक संदेश दिया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान से देश में 80 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य समय से पहले पूरा किया है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इन प्रयासों से दुनिया सबक ले सकती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि 75 वर्ष पहले आज ही के दिन भारत का आधार ग्रंथ यानि संविधान लागू हुआ था। उन्होंने कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणा नहीं है, जिनका परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ हो, यह जीवन मूल्य सदा से हमारी सभ्यता और संस्कृति के अंग रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब संविधान सभा की संरचना में हमें स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इसमें देश के सभी हिस्सों और सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व था। इसमें सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी, हंसाबेन मेहता, मालती चौधरी जैसी 15 असाधारण महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने कहा कि समावेशी विकास हमारी प्रगति की आधारशिला है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर अधिक से अधिक देशवासियों तक पहुंचता है। साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधारों के बल पर आने वाले वर्षों में भी भारत की प्रगति की रफ्तार बनी रहेगी। प्रधानमंत्री द्वारा अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना से रोजगार और आमदनी के अवसर उत्पन्न करके अनुसूचित जातियों के लोगों की गरीबी को दूर करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। सरकार ने वित्त क्षेत्र में जिस तरह प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है वह एक मिसाल है। राष्ट्रपति ने गुजरात के बड़नगर में भारत के प्रथम *आर्कियोलॉजिकल एक्सपेरिएंशल म्यूजियम* का कार्य पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में अलग-अलग युगों की कला, शिल्प और सांस्कृतिक सामग्री को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक अवसंरचना तथा डिजिटल समावेशन के आयामों में व्यापक बदलाव आया है। विद्यार्थियों के प्रदर्शन में आशा के अनुरूप उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि महिला शिक्षकों ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति ने नेशनल क्वांटम मिशन जैसे प्रयासों को भारत के बढ़ते आत्मविश्वास से जोड़ा और कहा कि अत्यधिक अनुसंधान में भारत अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है। *नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसीप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम* के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में उन्नत प्रतियोगिताओं पर कार्य करने की योजना जारी है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसरो के सफल स्पेस टॉकिंग एक्सपेरिमेंट को देश को गौरवान्वित करने वाला बताया और विश्व में ऐसा करने वाला भारत अब चौथा देश बन गया है। भारतीय खिलाड़ियों के 2024 में हुए ओलंपिक और पैरा ओलंपिक खेलों के प्रदर्शन की उन्होंने सराहना की और कहा कि हाल ही में डी गुकेश ने सबसे कम उम्र में शतरंज में विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण के अंत में गांधी जी के वचनों को उद्धृत किया और कहा कि सत्य और अहिंसा के उनके आदर्श विश्व समुदाय के लिए आज भी प्रासंगिक बने रहेंगे। उन्होंने हमें सीख दी है कि अधिकार और कर्तव्य ही एक सिक्के के दो पहलू हैं। सच तो यह है कि कर्तव्य ही अधिकार का वास्तविक स्रोत है। राष्ट्रपति ने सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों, देश को आंतरिक रूप से सुरक्षित करने वाले पुलिस और अर्धसैनिक बलों, न्यायपालिका, सिविल सेवाओं तथा विदेशी मिशनों में काम करने वाले सदस्यों को अपनी ओर से गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

गणतंत्र दिवस पर...

वीरता पदक (जीएम) पाने वाले जवानों को 6000 रुपए प्रति माह दिया जाता है। वीरता पदक (जीएम) वीरता के दुर्लभ विशिष्ट कार्य तथा वीरता के विशिष्ट कार्य के लिए दिया जाता है, जिसमें जान और संपत्ति की रक्षा करना, अपराध को रोकना या अपराधियों को गिरफ्तार करना शामिल है। इसमें जोखिम का आकलन संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों के अनुसार किया जाता है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है तथा सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए दिया जाता है।

पद्मश्री : फल किसान...

डॉक्टर नीरजा भटला को भी पद्मश्री से नवाजा गया है। गोवा के 100 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी लीबिया लोबो सरदेसाई और पश्चिम बंगाल के ढाक वादक गोकुल चंद्र दास का नाम भी सूची में शामिल है। दिल्ली की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरजा भटला को पद्मश्री मिला है। नीरजा का गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता लगाने, उसकी रोकथाम और प्रबंधन पर विशेष योगदान है। भोजपुर के सामाजिक कार्यकर्ता भीम सिंह भावेश को पद्मश्री मिला है। वे पिछले 22 वर्षों से अपनी संस्था *नई आशा* के माध्यम से समाज के सबसे हाशिए पर पड़े समूहों में से एक मुसहर समुदाय के उत्थान में जुटे हैं। थाविल वादक पी दत्ताचनमूर्ति को पद्मश्री मिला है। वे दक्षिण भारतीय संगीत और संस्कृति से जुड़े शास्त्रीय ताल वाद्य यंत्र थाविल के वादक हैं। दत्ताचनमूर्ति के पास पांच दशक का विशाल अनुभव है। नगालैंड के किसान एल. हैंगथिंग को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। हैंगथिंग नोकलाक के रहने वाले हैं। हैंगथिंग को गैर-देसी फलों की खेती में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। गोवा के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाली लीबिया लोबो सरदेसाई को भी पद्मश्री मिला है। उन्होंने 1955 में पुर्तगाली शासन के खिलाफ लोगों को एकजुट करने के लिए एक भूमिगत रेडियो स्टेशन *वोज दा लिबरडेबे (स्वतंत्रता की आवाज)* की सह-स्थापना की थी। पुरस्कार पाने वाले पश्चिम बंगाल के 57 वर्षीय ढाक वादक गोकुल चंद्र डे ने पुरुष प्रधान समाज में 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करके लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ा। डे ने पारंपरिक वाद्य यंत्र से 1.5 किलोग्राम हल्का ढाक भी बनाया। वे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। खास बात यह है कि डे पंडित रविशंकर और उस्ताद जाकिर हुसैन के साथ अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। महिला सशक्तिकरण की मुखर समर्थक 82 वर्षीय सैली होलकर ने लुप्त होने वाली माहेश्वरी शिल्प को जिंदा किया। इतना ही नहीं, उन्होंने मध्य प्रदेश के महेश्वर में हथकरघा विद्यालय की स्थापना भी की। सैली का जन्म अमेरिका में हुआ है। मगर उन्होंने रानी अहिल्याबाई होलकर की विरासत से प्रेरित होकर 300 साल पुरानी बुनाई विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए अपने जीवन के पांच दशक खपा दिए।

महाकुंभ : संगम में ...

राजदूत भी एक साथ डुबकी लगाएंगे। बता दें कि इन दोनों देशों के बीच लंबे समय से जंग जारी है। सामने आ रही जानकारी के मुताबिक ये सभी राजनयिक नाव से संगम नोज पहुंचेंगे और पवित्र संगम में डुबकी लगाएंगे। इसके बाद वे अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर के दर्शन करेंगे, जिसके बाद वे डिजिटल महाकुंभ अनुभव केंद्र में महाकुंभ के बारे में जानेंगे। विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारी राजनयिकों के यात्रा की तैयारियों में जुट गया है।

एडवांटेज असम से ...

बाईपास के लिए सरेखण को मंजूरी दे दी गई है और जल्द ही निविदाएं जारी की जाएंगी। यह एक महत्वपूर्ण राजमार्ग संपर्क होगा, जो बरपेटा से गुवाहाटी और उससे आगे की यात्रा करने वाले लाखों लोगों के लिए कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा। इस मामले को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का उन्होंने आभार जताया।

गणतंत्र दिवस से पहले बांग्लादेश सीमा पर मिले चार बड़े बंकर

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने गणतंत्र दिवस से पहले एक बड़े ऑपरेशन में बंगाल के नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास कृष्णगंज थाना इलाके में तस्करी में प्रयुक्त होने वाले लोहे के तीन भूमिगत स्टोरेज टंकी (बंकरों) और एक ईंट के निर्माणाधीन बंकर का पता लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि एक खुफिया सूचना पर शुक्रवार को कृष्णगंज के मझदिया कस्बे के सीमावर्ती नागहटा गांव में की गई इस छापेमारी में लोहे के तीनों बंकरों से 1.40 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 62,200 बोतल प्रतिबंधित फेंसेडिल कफ सिरप की बड़ी खेप भी बरामद की गई। इन फेंसेडिल बोतलों को सीमा पार कराकर बांग्लादेश में तस्करी की जानी थी। बीएसएफ ने शनिवार को एक बयान में बताया गया कि तस्कर इन भूमिगत टंकियों का इस्तेमाल तस्करी के लिए करते थे। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, बीएसएफ के डीआईजी व प्रवक्ता नीलोत्पल कुमार पांडे ने तस्करी के विरुद्ध अभियान में इसे बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि गुप्त टंकियों के भंडाफोड़ और फेंसेडिल की इतनी बड़ी खेप बरामद होने से तस्करों का नेटवर्क पूरी तरह से हिल गया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा कि बीएसएफ को पुख्ता सूचना मिली थी कि मझदिया इलाके में तस्करी के उद्देश्य से एक बगीचे में जमीन के नीचे लोहे की गुप्त टंकियां बनाई गई है। इसके बाद बीएसएफ की 32वीं वाहिनी की सीमा चौकी टूंगी के जवानों ने पुलिस की मौजूदगी में संदिग्ध बगीचे की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसमें तीन भूमिगत टंकियों का पता चला। इनमें से दो टंकी घने बगीचों के बीच छिपाकर बनाई गई थीं, जबकि एक टंकी झोपड़ी के नीचे बनाई गई थी। टंकियों को खोलने पर उसके अंदर फेंसेडिल की बोतलों से भरी हुई दर्जनों पेटियां बरामद हुई। इसे देख बीएसएफ अधिकारियों व जवानों की आंखें भी फटी की फटी रह गई। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान बाद में उसी इलाके में ईंट की एक निर्माणाधीन टंकी भी मिली। बंकरों का पता चलने के बाद से बगीचे का मालिक फरार बताया जा रहा है।

असम पुलिस ने गणतंत्र दिवस पूर्वाभ्यास परेड का किया आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में असम पुलिस द्वारा गणतंत्र दिवस पूर्वाभ्यास विशेष परेड का आयोजन किया गया। गुवाहाटी के लताशील खेल मैदान में आयोजित इस परेड का उद्घाटन असम सरकार के मुख्य सचिव डॉ. रवी कोटा ने किया। यह परेड लताशील खेल मैदान से शुरू होकर पानबाजार होते हुए वापस लताशील तक पहुंची। इस अवसर पर सीआईडी के अतिरिक्त महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता, प्रसिद्ध खिलाड़ी लवलीना बरगोहाईं सहित कई पुलिस अधिकारी और असम सरकार के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मक्का की ओर बढ़ रही आफत, भारी तबाही का खतरा ! अलर्ट जारी

दुबई। दुनिया भर के मुसलमानों की आस्था का केंद्र मक्का एक बार फिर गंभीर मौसम संकट का सामना करने वाला है। सऊदी अरब में मौसम खराब होने की चेतावनी दी गई है, जिसमें बर्फबारी, बाढ़ और अब भारी बारिश के साथ ओले गिरने का खतरा है। मौसम विभाग ने इस बारे में अलर्ट जारी किया है। मक्का और मदीना, इस्लामिक दुनिया के पवित्र स्थल हैं, जहां हर साल लाखों मुसलमान हज और उमरा करने आते हैं। हज के दौरान इन शहरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु इबादत करने के लिए आते हैं और यहां कई दिन बिताते हैं। सऊदी अरब, जो अपने गर्म और रेगिस्तानी इलाके के लिए जाना जाता है, पिछले कुछ समय से अजीब मौसम का सामना कर रहा है। पहले यहां बर्फबारी हुई, फिर बाढ़ ने शहरों को अपनी चपेट में लिया और अब एक बार फिर मौसम के बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। जनवरी में, मक्का और मदीना में भारी बारिश के कारण बाढ़ आई थी, जिससे सड़कें, गाड़ियां और घर पानी में डूब गए थे। सऊदी अरब के मौसम विभाग ने पवित्र शहर मक्का, मदीना, रियाद और आसपास के इलाकों के लिए भारी बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (ह्सीएम) के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में पूरे देश के कई हिस्सों में मूसलधार बारिश की संभावना है। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब के जाजान, असीर और अल बहा में भी बारिश हो सकती है, और पूर्वी क्षेत्रों में कोहरा छा सकता है। मौसम विभाग ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और बाढ़ की चपेट में आ सकते स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है। सऊदी नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने की अपील की है। सऊदी अरब में जून में आई भीषण हीटवेव के कारण 1,300 से ज्यादा लोग मौत के शिकार हो गए थे, खासकर हज यात्रा के दौरान। अब एक बार फिर मौसम के इस बदलाव से खतरा बढ़ गया है, जिससे नागरिकों और श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल है।

चुनाव आयोग का काम संविधान का मजाक : जयराम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को कांग्रेस ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला किया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने इस अवसर पर एक पोस्ट में कहा कि आज बहुत सारी आत्म-बधाई दी जाएगी, वह इस तथ्य को छिपा नहीं सकती कि चुनाव आयोग का कामकाजी तरीका संविधान का मजाक बना रहा है और यह मतदाताओं का भी अपमान है। जयराम रमेश ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और स्वतंत्रता को गंभीर रूप से कमजोर किया है। उनका कहना था कि चुनाव आयोग के कुछ फैसले अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती के अधीन हैं, और हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों को लेकर भी चुनाव आयोग का रुख पक्षपाती नजर आया है। साथ ही उन्होंने कहा कि 2011 से यह दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, क्योंकि 75 साल पहले 25 जनवरी, 1950 को चुनाव आयोग अस्तित्व में आया था। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और इसके पहले अध्यक्ष सुकुमार सेन थे, जिनका योगदान हमारे चुनावी लोकतंत्र की नींव रखने में महत्वपूर्ण था। उन्होंने 1951-52 में भारत के पहले आम चुनाव की रिपोर्ट तैयार की थी, जिसे आज भी एक महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब हम राष्ट्रीय मतदाता दिवस मना रहे हैं, तब पिछले दस वर्षों में भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता का लगातार गिरना एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत का चुनाव आयोग और हमारा संसदीय लोकतंत्र, भले ही दशकों से सवालों के बावजूद, निष्पक्ष, स्वतंत्र और वैश्विक स्तर पर एक आदर्श बनकर उभरा है।

कांग्रेस के लिए वंशवाद पहले, संविधान सबसे आखिरी में : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को डिब्रूगढ़ में भाजपा के *संविधान गौरव अभियान* कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संविधान मूल्यों की मजबूती और पिछड़े समुदायों के कल्याण की दिशा में किए गए कार्यों को रेखांकित किया। सोनोवाल ने कहा कि भारत की एकता और लोकतंत्र की शक्ति डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की देन है। 75 वर्षों से संविधान ने विविध समुदायों, भाषाओं और धर्मों के इस देश को न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के साथ मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बार-बार संविधान का अपमान और उसकी गरिमा को कमजोर किया है। इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण 1975 में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल है, जिसने मौलिक अधिकारों को निलंबित कर देश को भारी नुकसान पहुंचाया।

कांग्रेस के लिए परिवार पहले आता है और संविधान आखिरी में। सोनोवाल ने जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी 13 दिनों की सरकार को अनैतिक तरीकों से बढ़ाने के बजाय सिद्धांतों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि भाजपा को लोग भरोसेमंद मानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरक नेतृत्व में एनडीए सरकार ने सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया और हाशिए पर मौजूद वर्गों का उत्थान किया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में आने पर वह अपने स्वार्थ के लिए संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी करती है लेकिन, जनता ने उनके भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति को चुनावों में खारिज कर दिया। सोनोवाल ने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व में, भारत एक सम्मानित और शक्तिशाली लोकतंत्र के रूप में उभरा है। कार्यक्रम में खुमटाई के विधायक चक्रधर गोगोई, डिब्रूगढ़ भाजपा अध्यक्ष दुलाल बोरा, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रितुपर्ण बरुवा, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष असीम हजारिका, सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर सोनोवाल और आवास बोर्ड के उपाध्यक्ष सुभाष दत्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्यपाल ने दिया लोकतंत्र में मतदाताओं की भागीदारी का संदेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाग लिया। यह कार्यक्रम आज दिसपुर स्थित नेडफी हाउस में आयोजित किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ हैं और उनकी भागीदारी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को हर वर्ष यह दिन मताधिकार के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। राज्यपाल ने विशेष रूप से नए मतदाताओं से चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि मतदाताओं की भागीदारी देश की प्रगति और विकास में योगदान देती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम *कुछ भी नहीं मतदान जैसा, मैं मतदान जरूर करूंगा* सभी पात्र मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने की प्रेरणा देती है। राज्यपाल ने शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *मन की बात* के 110वें संस्करण का उल्लेख करते हुए युवाओं से *मेरा पहला वोट राष्ट्र के लिए* अभियान के तहत लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन असम के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय और कामरूप (मेट्रो) जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा किया गया। इसमें मुख्य चुनाव अधिकारी अनुराग गोयल, जिला आयुक्त सुमित सत्तावन और गुवाहाटी के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

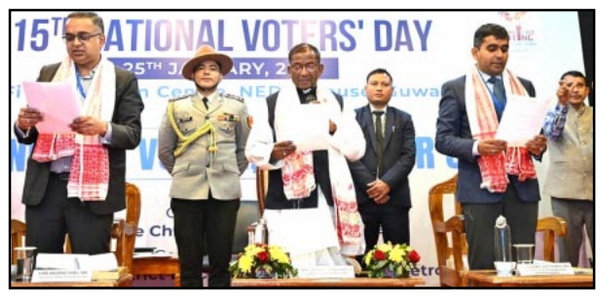

आमगुड़ी से पांच बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया

शिवसागर(हिंस)। जिला के आमगुड़ी शहर में आमगुड़ी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के निर्माण के तहत एक कमरे में काम कर रहे पांच बाल मजदूरों को बचाया गया। शनिवार को श्रम विभाग ने बताया है कि स्थानीय संगठनों की शिकायत के आधार पर शिवसागर जिला श्रम निरीक्षक प्रसन्न तायुंग के नेतृत्व में एक बचाव दल ने नाबालिग बाल श्रमिकों को बचाया और उन्हें शिवसागर बाल गृह ले गए। श्रम निरीक्षक ने आमगुड़ी पुलिस स्टेशन में एवीआर इंफ्रास्पेस प्राइवेट लिमिटेड नामक इमारत बनाने वाली कंपनी के साथ-साथ कंपनी के सुपरवाइजर, श्रम ठेकेदार और साइट इंजीनियर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि दिल्ली की इमारत निर्माण करने वाली कंपनी एवीआर इंफ्रास्पेस प्राइवेट लिमिटेड विभिन्न स्थानों के श्रमिकों को रोजगार दे रही है, जो पूर्ण सरकारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रही है। साथ ही कंपनी श्रम विभाग को अंधेरे में रखते हुए काम के लिए कई संदिग्ध लोगों काम में उपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

गुवाहाटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई
चोरी, बाइक लिफ्टिंग के संदिग्ध व्यक्तियों की गिरफ्तारी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने कई अभियानों में आज उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पानबाजार पुलिस स्टेशन के सामने नाका चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को एचबी रोड की ओर जाते हुए एक रिक्शा में कुछ सामान ले जाते पकड़ा। उनकी पहचान अब्बास अली (25) निवासी सोनामुखी, बिलासीपाड़ा, धुबड़ी, बिकी साह (19) निवासी लतासिल, गुवाहाटी और गौतम बासुमतरी (19) निवासी तेजपुर, थेलेपारा, शोणितपुर के रूप में हुई है। इसके अलावा गुवाहाटी पुलिस ने जोरहाट पुलिस और आरपीएफ इंडिया के साथ एक संयुक्त अभियान में दो शातिर बाइक चोरों - महेंद्र गोगोई उर्फ बोगा और फटिक गोगोई को गिरफ्तार किया। दोनों जोरहाट के निवासी हैं। इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। इसी क्रम में फाटासिल आमबाड़ी पुलिस स्टेशन की टीम ने बीती रात बीरूबाड़ी फ्लाईओवर के निर्माण स्थल से लोहे के सरिए चोरी करने का प्रयास कर रहे बिकी दास उर्फ बबलू (22) और श्याम सुंदर बर्मन (27) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उनके पास से लगभग 40 किलोग्राम लोहे के सरिए और एक ऑटोरिक्शा जब्त किया गया। पुलिस ने सभी मामलों में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अभाविप, सील ट्रस्ट के 240 छात्रों का देशभर में भव्य स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के अंतर-राज्य छात्र जीवन दर्शन (सील) द्वारा आयोजित *राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025* के अन्तर्गत पूर्वोत्तर के 240 छात्र-छात्राएं 20 दिनों की भारत की यात्रा पर निकले हैं। सम्पूर्ण भारत में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय छात्रों और नागरिकों द्वारा पारंपरिक और भव्य रूप से स्वागत हो रहा है। हजारों की संख्या में रेलवे स्टेशन पर छात्र छात्रा ढोल नगाड़े, पुष्प वर्षा के साथ पूर्वोत्तर के छात्रों का स्वागत कर रहे हैं। वाराणसी के पंडित दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने पूर्वोत्तर के प्रतिनिधियों का भव्य तरीके से स्वागत किया। पूरा रेलवे स्टेशन ढोल नगाड़े, वैदिक मंत्रोचारण से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने पूर्वोतर के प्रतिनिधियों का स्वागत पुष्पवर्षा एवं भारत माता की जय, वन्दे मातरम, अलग भाषा अलग वेश फिर भी अपना एक देश, वाराणसी हो या गुवाहाटी अपना देश अपनी माटी के नारों से किया। वहीं पटना, लखनऊ, भुवनेश्वर, गोरखपुर, जैसेलमेर एवम् कानपुर में भी रेलवे स्टेशनों पर ऐतिहासिक स्वागत पूर्वोत्तर के प्रतिनिधियों का किया गया। यह यात्रा 22 जनवरी से लेकर 13 फरवरी तक चलने वाली है। इस यात्रा में पूर्वोत्तर के राज्यों से 240 छात्रों को आठ विभिन्न समूहों में देश भर के 20 राज्यों के 32 शहरों में भ्रमण पर ले जाया गया है। राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा- 2025 के यात्रा प्रमुख एवम् मणिपुर प्रांत के संगठन मंत्री भगवत सिंह राजावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्वोत्तर के 64 जिले के 82 स्थानों से 79 शिक्षण संस्थानों के 68 जनजाति से कुल 117 छात्र तथा 97 छात्राएं, 16 ग्रुप कॉर्डिनेटर-कोऑर्डिनेटर एवम् 10 पूर्वोत्तर के प्रवासी कार्यकर्ता इस यात्रा पर निकले हैं। सभी आठ समूहों का नाम पूर्वोत्तर के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से रखा गया है, ताकि पूर्वोत्तर के गुमनाम सेनानियों को देश भर के लोग भी जान सके। इस समूह में पूर्वोत्तर के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय व अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्रा भी शामिल हैं। इन छात्रों का देशभर में सभी राज्यों में विविध ऐतिहासिक स्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों, पर्यटक स्थानों पर प्रत्यक्ष जाना हो रहा है, साथ ही प्रत्यक्ष स्थान पर स्थानीय लोगों के घरों में निवास करते हुए वहां की संस्कृति और परम्पराओं का भी अनुभव ले रहे हैं। यह यात्रा देश की एकात्मता की डोर को मजबूत करने वाली यात्रा है। सभी राज्यों में इन छात्रों के स्वागत के लिए आम जनमानस भी बढ़-चढ़ कर इनका स्वागत कर रहा है। यह भारत के मूल मंत्र *अतिथि देव भव:* का चरितार्थ रूप है। यात्रा के स्वागत में स्थानीय नृत्य और गीतों आदि का प्रस्तुतिकरण, सांस्कृतिक संध्या व पारम्परिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पारम्पारिक भारतीय वाद्य यंत्रों व पुष्प वर्षा से आतिथ्य सत्कार किया जा रहा है। बहुत से छात्रों ने अपने अनुभव में बताया कि वे भारत के इस सांस्कृतिक बहुरंग को देखकर बहुत उत्साह और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि यह यात्रा उनके मानस में जीवन भर के लिए अंकित हो गई है। आजीवन इस यात्रा से प्रेरणा मिलती रहेगी। विभिन्न स्थानों पर जाकर प्रत्यक्ष जाने से यह भी ज्ञात हुआ कि भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता से निर्बल नहीं, बल्कि एक सबल राष्ट्र है। वास्तव में भारत की विविधता ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी है यह भाव और भी दृढ़ हो गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में अजीत बसुमतारी को प्रतिष्ठित बोड़ोलैंड अचीवर्स अवार्ड-2024 मिलेगा

कोकराझाड़। बीटीआर सरकार ने पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित बोड़ोलैंड अचीवर्स अवार्ड-2024 से सम्मानित करने के लिए द सेंटिनल के स्टाफ रिपोर्टर अजीत बसुमतारी का चयन किया है। यह सम्मान जन सरोकारों और सरकारी पहलों की बसुमतारी की बेहतरीन कवरेज को मान्यता देता है। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ। पत्रकारिता में उनके असाधारण योगदान ने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है, जिससे वे इस सम्मान के हकदार बन गए हैं। वहीं डीआईपीआरओ, कोकराझाड़ के चपरासी सह चौकीदार उत्पल कुमार ब्रह्म को सरकारी सेवा के क्षेत्र में बोड़ोलैंड अचीवर्स अवार्ड-2024 के लिए चुना गया। यह सम्मान उनके कर्तव्यों के निर्वहन में उनके असाधारण समर्पण, ईमानदारी और व्यावसायिकता को मान्यता देता है। सार्वजनिक सेवा में श्री ब्रह्म के उल्लेखनीय योगदान, विभाग के उद्देश्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता तथा कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को समुचित रूप से नोट किया गया है, जिसके कारण वे इस सम्मान के पूर्णत: हकदार हैं। ये पुरस्कार 27 जनवरी 2025 को अपराह्न 3.00 बजे बोडोफा सांस्कृतिक परिसर, कोकराझाड़ में आयोजित बोड़ोलैंड अचीवर्स पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

रविंद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 28 को

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रविन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय में द्वितीय दीक्षांत समारोह आगामी 28 जनवरी 2025 वार मंगलवार को विश्वविद्यालय स्थित महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव परिसर में आयोजित होगा। उक्त दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के सम्मानीय कुलपति तथा असम के महामहिम राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में गौहाटी विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. ननीगोपाल महन्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. मानवेन्द्र दत्त चौधरी अपने संबोधन द्वारा छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करेंगे। इसी कार्यक्रम के दौरान असमीय भाषा व संस्कृति में अपना वहुमूल्य योगदान देने हेतु गौहाटी विश्वविधालय के असमीया विभाग के अध्यापक तथा भाषा, संस्कृति के विशिष्ठ साहित्यिक व शोधकर्ता प्रो. उपेन राभा हाकाचाम को *लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड* से सम्मानीत किया जाएगा। उल्लेख योग्य है कि इस बार के दीक्षांत समारोह में तीन स्वर्ण पदक सहित स्नातक कोतर श्रेणी के 81 व स्नातक श्रेणी के 459 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के पंजीयक प्रोफेसर अरूप बर्मन उक्त जानकारी देते हुए सभी से दीक्षांत समारोह की सफलता की कामना की है।

गणतंत्र दिवस के मौके पर रंगिया में चलाया गया स्वच्छता अभियान

रंगिया (विभास)। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी 26 जनवरी को देशभर में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया है। इसी कड़ी में गणतंत्र दिवस पर रंगिया सम जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। देश के 76 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ रंगिया थाना के सौजन्य से तथा रंगिया समजिला प्रशासन और पौरसभा के सहयोग से नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। रंगिया थाना प्रभारी नवजीत नाथ के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में रंगिया के विधायक भवेश कलिता, रंगिया समजिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी, समजिले के पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, पौरसभा की कार्यवाही अधिकारी, भाजपा उत्तर कामरूप जिला के नवनियुक्त अध्यक्ष भास्कर कलिता सहित रंगिया समजिला प्रशासन, रंगिया थाना और पौरसभा के बहुत से अधिकारी व कर्मचारी तथा स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक भवेश कलिता ने स्वच्छता के बारे में सभी को जागरूक होने का आह्वान किया। वहीं समजिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी ने सफाई को आज की जरूरत बताते हुए लोगों को इसके लाभ भी गिनवाए। उन्होंने कहा कि जहां स्वच्छता होती है वहां भगवान का वास होता है। हमें अपने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सफाई अभियान रंगिया गांधी मंडप प्रांगण से शुरू किया गया तथा इस दौरान शहर के कई स्थानों में साफ सफाई की गयी। मौके पर रंगिया समजिले के पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका ने कहा कि अगर हमारा शहर स्वच्छ होगा तो हम भी स्वच्छ और स्वस्थ होंगे। जहां हम रहते हैं उसको स्वच्छ करना हमारी जिम्मेदारी है। हम सभी को स्वच्छता का संकल्प लेना है। वहीं दूसरी ओर गणतंत्र दिवस के अवसर पर शनिवार को रंगिया थाना की ओर से एक बाईक रैली का भी आयोजन किया गया। जिसमें थाना प्रभारी नवजीत नाथ सहित कई सिपाहियों और अधिकारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

कामाख्या स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी, सतर्क आरपीएफ

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की खुफिया विभाग की चेतावनी के बाद, पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर संभावित विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नाका चेकिंग तेज कर दी गई है। सड़कों के फुटपाथ, पार्किंग क्षेत्र और बाजारों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही, शनिवार को कामाख्या रेलवे स्टेशन पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। आरपीएफ की एक विशेष टीम, इंस्पेक्टर विक्रम के नेतृत्व में, स्टेशन पर आने और जाने वाली प्रत्येक ट्रेनों की विशेष जांच कर रही है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन परिसर में निगरानी बढ़ा दी गई है। कामाख्या स्टेशन के इंस्पेक्टर विक्रम ने बताया कि प्रतिदिन स्टेशन पर रूटीन चेकिंग की जाती है। हालांकि, गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

एसएसबी ने बड़ी मात्रा में अवैध इमारती लकड़ी जब्त किया

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा (एसएसबी) बल, रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी सरलपाड़ा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बीओपी सरलपाड़ा एवं वन विभाग उल्टापानी के साथ मिलकर, भारत-भूटान पिलर संख्या-152 से लगभग 10.2 किलोमीटर भारत की ओर जामुनपुर फॉरेस्ट एरिया में गस्ती अभियान के दौरान जंगलों में अवैध रूप से कटी हुई 171.15 सीएफटी इमारती लकड़ियां पाई गई। जिसे जब्त कर वन विभाग उल्टापानी को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपूर्त कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से आदर्श गांव के रूप में गोलागांव गांव घोषित

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के पर्यटन विभाग (बीटीसी) ने *गोलागांव गांव को सशक्त बनाने* नामक एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है ग्रामीण पर्यटन सतत विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्र की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए विरासत। इस पहल की आधिकारिक घोषणा आज डॉ. धर्म नारायण दास, ईएम द्वारा की गई। पर्यटन विभाग, बीटीसी इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. दास ने परियोजना के जिम्मेदार और जिम्मेदाराना रवैए पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य गोलागांव को बदलना है। ग्रामीण पर्यटन के लिए एक आदर्श गांव में तब्दील हो रहा है। स्थानीय संस्कृति को एकीकृत करके और उसे बढ़ाकर बुनियादी ढांचे के विकास में हमारा उद्देश्य समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना

है, साथ ही उसकी सुरक्षा करना है। अद्वितीय परंपराओं और विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे टिप्पणी की, यह पहल एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व करती है समुदाय-संचालित पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कदम जो आर्थिक विकास के साथ संतुलन बनाए रखता है सांस्कृतिक संरक्षण। इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों के लिए स्थायी आय उत्पन्न करना है। समुदायों को प्रोत्साहित करना, स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना, गांव के बुनियादी ढांचे में सुधार करना और सुविधाएं प्रदान करना और आगंतुकों के लिए प्रामाणिक ग्रामीण पर्यटन अनुभव की सुविधा प्रदान करना।

समुत्कर्ष महाशिविर के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ

गुवाहाटी। 25 जनवरी 2025 77 समुत्कर्ष महाशिविर के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) श्री राणा प्रताप कलिता ने किया। इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष श्री कुलेंद्र कुमार भगवती ने महाशिविर के कूपन का अनावरण किया। समारोह स्थल पर तैयारी अंतिम चरण में चल रही हैं। महाशिविर स्थल पर अस्थायी नगर बसाए गए हैं जिसमें 5000 से अधिक शिविरार्थी रहेंगे। 29 जनवरी को प्रदर्शनी का उद्घाटन परिवहन मंत्री जोगेन मोहन करेंगे। समारोह का शुभारंभ असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य करेंगे। शुभारंभ समारोह में राज्यपाल सहित शिक्षा मंत्री रानोज पेगू, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले, खान और खनिज मंत्री कौशिक राय विशिष्ट अतिथि तथा विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्म राव आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 31 जनवरी को निश्चल नारायण लर्निंग सोल्यूसन के संस्थापक निश्चल नारायण विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। शाम को पूर्वोत्तर लोक संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ

त्रिपुरा के राज्यपाल इन्द्रसेना रेड्डी नल्लू करेंगे साथ ही असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री जयंत मल्ल बरुवा विशिष्ट अतिथि एवं युवा अभिनेता एवं फिल्म निर्माता लुकानन्द क्षेत्रीय मायुम भी उपस्थित रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय मैहर वाद्य वृन्द सहित पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। विशेष रूप से पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में लघुनाटिका मां मंचन भी श्रीभूमि के विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा। 31 जनवरी को महाशिविर स्थल पर आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन में मुख्य अतिथि अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना एवं आमंत्रित अतिथि गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति ननी गोपाल महंत एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी रहेंगे। समानांतर समय पर आयोजित मातृ सम्मेलन में असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी साथ ही विशिष्ट अतिथि अरुणाचल प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री दसांग्लू पुल, मुख्य वक्ता विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा, आमंत्रित अतिथि राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर, विशिष्ट वक्ता राष्ट्र सेविका समिति उत्तर असम प्रान्त कार्यवाहिका रिम्की भगवती रहेंगी। समापन समारोह में विशेष रूप से 5000 विद्यार्थियों द्वारा घोष प्रस्तुति के साथ 1000 विद्यार्थियों द्वारा बिहू नृत्य तथा 10000 विद्यार्थियों द्वारा आसन एवं व्यायामयोग का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। समापन समारोह में असम के मुख्य मंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि रहेंगे साथ ही विशिष्ट अतिथि अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना, आमंत्रित अतिथि विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी रहेंगे।

संपादकीय

कूड़े-नाले का चुनाव

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह दिल्ली में कूड़े और यमुना नाले को चुनावी मुद्दा बनाया है, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी उतनी शिद्दत से ये मुद्दे नहीं उठाए थे। वे 'शीशमहल' तक सीमित रहे अथवा कुछ घोटालों के नाम लिए और 'आप' सरकार को 'आप-दा' करार दे दिया। ये मुद्दे जनता को उतना नहीं छूते। यमुना तो दिल्ली का सांस्कृतिक पर्याय है। देश की राजधानी दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण अब जिंदगी-मौत का सवाल बन गया है। यहां औसत शिशु 20 सिगरेट के धुएं बराबर प्रदूषण में जन्म लेता है और औसत नागरिक की उम्र 10-12 साल घट गई है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि दिल्ली को 'कूड़ाघर' बना दिया गया है। यहां हालात 'नरक से बदतर' हैं। सडक़ों पर गहरे गड्ढे हैं या गड्ढों में सडक़ें हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहले दिल्ली अन्य शहरों और राज्यों के लिए 'आदर्श' होती थी, लेकिन अब दिल्ली आने में आदमी डरता है। दिल्ली में 'कूड़ाघर' ही नहीं, बल्कि 'कूड़े के पहाड़' भी हैं, जिनकी बदबू और प्रदूषण दिल्लीवालों को बीमार कर रहे हैं। केजरीवाल आखिर किस दिल्ली पर वोट मांग रहे हैं? 'आप' सरकार ने ओखला जैसे औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग लगाने के बजाय बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या जैसे दंगाइयों को बसा दिया है। योगी जी के ये आरोप खोखले या फर्जी नहीं हैं। यही दिल्ली का आज का यथार्थ है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार के मंत्रियों को चुनौती दी है कि जिस तरह उप्र के मुख्यमंत्री और 54 मंत्रियों ने 'महाकुंभ' में जाकर त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया है, क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री यमुना जी में डुबकी लगा सकते हैं? योगी की चुनौती बेहद गंभीर और असंभव है, क्योंकि दिल्ली में यमुना नदी एक 'नाले' में तबदील हो गई है। बेशक योगी भी भाजपा की सियासत खेल रहे थे, लेकिन उनके मुद्दे बिल्कुल सटीक थे। आज यमुना की सतह पर जहरीला, सफेद झाग है, क्योंकि 32 गंदे नाले यमुना में ही गिरते हैं। दिल्ली का 58 फीसदी कचरा यमुना में ही डाला जाता है।

यमुना तो दिल्ली का सांस्कृतिक पर्याय है। देश की राजधानी दिल्ली में जानलेवा प्रदूषण अब जिंदगी-मौत का सवाल बन गया है। यहां औसत शिशु 20 सिगरेट के धुएं बराबर प्रदूषण में जन्म लेता है और औसत नागरिक की उम्र 10-12 साल घट गई है। आदित्यनाथ ने केजरीवाल और 'आप' सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि दिल्ली को 'कूड़ाघर' बना दिया गया है। यहां हालात 'नरक से बदतर' हैं। सडक़ों पर गहरे गड्ढे हैं या गड्ढों में सडक़ें हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहले दिल्ली अन्य शहरों और राज्यों के लिए 'आदर्श' होती थी, लेकिन अब दिल्ली आने में आदमी डरता है। दिल्ली में 'कूड़ाघर' ही नहीं, बल्कि 'कूड़े के पहाड़' भी हैं, जिनकी बदबू और प्रदूषण दिल्लीवालों को बीमार कर रहे हैं। केजरीवाल आखिर किस दिल्ली पर वोट मांग रहे हैं? 'आप' सरकार ने ओखला जैसे औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग लगाने के बजाय बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या जैसे दंगाइयों को बसा दिया है। योगी जी के ये आरोप खोखले या फर्जी नहीं हैं। यही दिल्ली का आज का यथार्थ है।

एक साल में 10 गुना रसायन बढ़ चुका है। दिल्ली का अधिकतर अपशिष्ट यमुना में ही जाता है। आज यमुना दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में एक है। ठीक है, दिल्ली में 'आप' सरकार ने, 12 साल के कार्यकाल के बावजूद, यमुना नाले की सफाई पर कोई काम नहीं किया। केजरीवाल ने तो पिछले चुनाव में जनता का आह्वान करते हुए भरोसा दिलाया था कि यदि यमुना साफ न हो जाए और उसमें नौका-विहार शुरू न हो जाए, तो आप मुझे वोट मत दीजिए। केजरीवाल आज वोट मांगते दर-ब-दर क्यों घूम रहे हैं? यह भी यथार्थ है कि दिल्ली में भारत सरकार भी है। प्रधानमंत्री मोदी, उनकी कैबिनेट और संसद भी है। उनके पास देश का खजाना है, पर्याप्त कार्य-बल है, नदी से जुड़े असंख्य वैज्ञानिक और इंजीनियर भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'नमामि गंगे' परियोजना पर करीब 20,000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए हैं। क्या यमुना नदी उनके लिए पवित्र, ऐतिहासिक और मां-तुल्य नहीं थी? गंगा मैया ने तो बुलाया था, लेकिन दिल्ली में तो यमुना साक्षात है। केंद्र और अद्र्धराज्य दिल्ली की सरकारों ने यमुना की सफाई पर करीब 8000 करोड़ रुपए खर्च कर दिए हैं। फिर भी सफाई की जगह नाला क्यों उभर आया है? यह जवाबदेही दोनों सरकारों की है। अकेले केजरीवाल 'खलनायक' नहीं हैं। गंगा-यमुना के नाम पर राजनीति 1980 के दशक से खेली जा रही है। सबसे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने गंगा-यमुना एक्शन प्लान बनवाए थे। उसके बाद बार-बार इन पवित्र नदियों की सफाई की घोषणाएं की जाती रहीं और बजट तय किए जाते रहे, लेकिन आज भी दोनों नदियां मैली हैं। गनीमत है कि गंगा नाला नहीं बन सकी।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है।

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्र में विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं।

दृष्टि कोण

पाठ्यक्रमों में बदलाव सत्ता पाने का हथियार

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सबके बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढऩा होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशक तथ्य तोड़-मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह हैं कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सिलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सिलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सिलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार-बार 'संघ परिवार' जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी, तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्धारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारधारा थोपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे। इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्य पुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम. विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनवी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनवी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्य पुस्तकों में प्रमुखता दी गई। राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं, केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही, उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति-सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2018 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्य पुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किए गए। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अंदर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्य पुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया। वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है, जब सरकार ने पाठ्य पुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्य पुस्तकों में संशोधन किया गया था। हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किए। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया।

कुछ अलग

मक्खन लगाने की कला

पत्नी रसोई से आवाज लगाकर पूछ रही है कि क्या कर रहे हो? इधर आकर थोड़ा हाथ ही बंटा दो। मैं कमरे से जवाब दे रहा हूं कि अभी नहीं आ सकता। वह पूछ रही है क्यों नहीं आ सकते? ऐसा भी क्या जरूरी काम कर रहे हो? मैंने कहा कि इस वक्त मैं मक्खन लगा रहा हूं और इससे बड़ा जरूरी काम दुनिया में कोई और हो ही नहीं सकता। पत्नी तंज करते हुए कह रही है कि घर में कभी मक्खन लाए भी हो! सूखी ब्रेड लेकर आ जाते हो। मैं कमरे से ही उसे जवाब दे रहा हूं कि यह वह मक्खन नहीं है जो बाजार से खरीद कर लाया जाता है। मैं दूसरे वाला मक्खन लगा रहा हूं। बेलन हाथ में पकड़े पत्नी आकर मेरे सामने तनकर खड़ी हो जाती है। और मेरा मक्खन पर भाषण शुरू हो जाता है। पत्नी सुन रही है और मैं बोल रहा हूं...। हे भाग्यवान! मक्खन लगाना एक बहुत बड़ी कला है और यह कला हमारे हिंदुस्तान के समाज का एक अमूल्य गुण बन गई है। इस कला के बिना न तो राजनीति की रोटी सिंकती है, न ब्यूरोक्रेसी का तवा गर्म होता है। यह वो कला है जो जन्मजात नहीं होती, बल्कि अनुभव और हालात के चूल्हे पर पकाई जाती है...। पत्नी सुन रही है और मैं उसे बताए जा रहा हूं। मक्खन लगाना सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं है, यह एक विज्ञान है। जैसे ही कोई व्यक्ति मक्खन लगाने की प्रक्रिया में माहिर हो जाता है, उसकी तरक्की की सीढ़ी लिफ्ट की तरह ऊपर जाने लगती है। चाहे वह नेता हो, अधिकारी हो या ऑफिस का कोई छोटा-मोटा क्लर्क, मक्खन लगाने का हुनर हर जगह काम आता है। मक्खन लगाने की कला का राजनीति में तो सबसे ज्यादा महत्व है और यह कला राजनीति में ही काम आती है। जो मक्खन लगाने में जितना माहिर होता है, उसकी टिकट उतनी ही पक्की होती जाती है। अगर वह मक्खन लगाने का विशेषज्ञ है तो मंत्री पद तक मिल जाता है। मक्खन लगाने की यह कला ब्यूरोक्रेसी के भी बड़े काम आती है। यहां मक्खन लगाने का स्तर कला से बढक़र माया बन जाता है। ऑफिस में चपरासी से लेकर सचिव तक सब जानते हैं कि 'साहब खुश तो सब खुश।' सरकारी फाइलें मक्खन के सहारे ही चलती हैं। एक हस्ताक्षर के लिए 'साहब' को कैसे खुश किया जाए, यह भी एक शोध का विषय हो सकता है। लेकिन यहां असली करतब तो मक्खन दिखाता है।' पत्नी मेरी बात पर सिर हिला रही है और मैं आत्मविश्वास से भरपूर होकर आगे बता रहा हूं। मक्खन लगाने की यह कला इतनी विकसित हो चुकी है कि इस कला के विशेषज्ञों ने मक्खन लगाने को अलग-अलग श्रेणियों में बांट दिया है। पहली श्रेणी 'प्रत्यक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले की तारीफ खुलकर की जाती है। दूसरी श्रेणी 'परोक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले को एहसास तक नहीं होता कि उनकी तारीफ हो रही है। तीसरी श्रेणी 'सांस्कृतिक मक्खन' की है जिसमें राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति की चाशनी में मक्खन मिक्स कर दिया जाता है।' पत्नी के चेहरे पर मुस्कान आ रही है और मेरी वाणी में सरस्वती विराजमान होने की कोशिश कर रही है। मैं आगे बता रहा हूं, 'भाग्यवान! मक्खन लगाने की कला इतनी प्राचीन है कि अगर महाभारत के युग में भी यह कला पल्लवित पोषित हुई होती, तो दुर्योधन कौरवों को छोडक़र पांडवों के साथ हो जाता। और रामायण में कैकयी की दासी मंथरा मक्खन लगाने के बदले कोटेशन पास करवा लेती।' पत्नी थोड़ा गंभीर होकर सुनने लगती है और मैं उससे भी ज्यादा गंभीर होकर बताने लगता हूं, 'आज की राजनीति में 'मक्खन लगाने' का असली मेला चुनाव प्रचार में दिखता है। बड़े-बड़े वादों की मलाई और जनता के दुखों पर घी डालकर नेताओं के भाषण तैयार होते हैं।

देश दुनीया से

गुम होती गुरुओं की पहचान

'गुरु' शब्द एक छोटा सा शब्द है, जो दो अक्षरों से मिलकर बना है। 'गु' और 'रु'। 'गु' का अर्थ है अंधकार, 'रु' का अर्थ है दूर करना। अर्थात गुरु वो होता है जो हमारे मन में छाए अज्ञान के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश द्वारा दूर कर देता है। अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। जीवन में हमेशा सदमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जो हमें जीवन पथ पर भटकने से बचाता है तथा जीवन में हमारा मार्गदर्शन करता हुआ हमें उन्नति की ओर ले जाता है। गुरु की परंपरा हमारे देश में बहुत प्राचीन है। यह परंपरा प्राचीन काल से आज तक चली आ रही है। इसका हिंदू संस्कृति में एक सर्वोच्च स्थान रहा है। हिंदू संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म अथवा ईश्वर का स्वरूप माना गया है। हमारी प्राचीन परंपराओं के अनुसार गुरु के बिना ज्ञान संभव नहीं है। गुरु ही है जो हमें ज्ञान प्रदान करता है और इस सृष्टि के सारे रहस्यों के भेद खोलता है। गुरु के बिना हमारा कल्याण संभव नहीं है। वह गुरु ही है जो अपनी असीम कृपा करके हमारी आंखों को खोल कर रख देता है। हमें हमेशा अपने गुरुओं को पूजनीय समझना चाहिए और उनका आदर-सत्कार करना चाहिए, क्योंकि जो गुरु होता है वह कभी भी किसी का बुरा नहीं सोचता है। वह तो हमेशा हमारी भलाई में लगा रहता है। वर्तमान समय में गुरु के पक्ष में लिखी गई पंक्तियों की चमक दिन-प्रतिदिन फीकी पड़ती जा रही है। एक समय था जब शिष्य गुरु को दंडवत प्रणाम करता था। गुरु फूला नहीं समाता था। गुरु अपने शिष्य को सौ-सौ दुआएं देता था।

गुरु को अपने शिष्य पर बहुत अधिक अभिमान होता था कि वह एक न एक दिन उसका, अपने माता-पिता, अपने गांव का, अपने देश-प्रदेश का नाम रोशन करेगा। परंतु आज गुरु का सिर लाज से झुक जाता है जब उसका शिष्य बिना प्रणाम किए, बिना चरण स्पर्श किए, उसके मुंह की तरफ देखते हुए घमंड से चौड़ा सीना करके सामने से गुजर जाता है। गुरु आश्चर्यचकित-सा होकर खड़ा सोचता रह जाता है कि इस नई पीढ़ी का क्या होगा? ये विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करके किस ओर जा रहे हैं? ये क्या सीख रहे हैं? हम कह रहे हैं हमारे देश ने बहुत अधिक तरक्की कर ली है। हमने मंगल ग्रह पर भी तिरंगा फहरा दिया है। हम विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं। समाज में दिन-प्रतिदिन सुधार होता जा रहा है। भविष्य तो हमारा अंधकारमय है। विद्यार्थी ही हमारा भविष्य है। वही अपना मार्ग भटक गए हैं। विद्यार्थी अपनी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। पश्चिमी संस्कृति की ओर भागे जा रहे हैं। आज के विद्यार्थी की दौड़ एक दिशाहीन, लक्ष्य से रहित दौड़ है। आज के विद्यार्थी गुरुओं का आदर-सत्कार करना दिन-प्रतिदिन भूलते जा रहे हैं। गुरुओं का आदर-सत्कार तो दूर की बात, अपने माता-पिता का आदर-सत्कार नहीं करते। अगर माता-पिता का आदर-सत्कार करते होते तो शायद आज वृद्धाश्रम न भरे होते। एक समय था जब विद्यार्थी गुरु के सामने आने से भी डरते थे, परंतु आज के जमाने में गुरु के डर की बात तो दूर, गुरु को ही डराने लगे हैं। उलटी गंगा पहवे (पोहे) को बहने लगी है। बड़े दुख की बात है कि आज गुरुओं की पहचान गुम होती जा रही है। उसकी सबसे बड़ी वजह हमारी वर्तमान व्यवस्था है। एक समय था जब राजा गुरु के पास जाता था। अब व्यवस्था यह है कि गुरु राजा के पास जाता है। चरण स्पर्श करता है, हाथ जोड़ता है, गिड़गिड़ाता है, मिन्नतें करता है। इससे उसके सम्मान को ठेस पहुंचती है। समाज में उसका कोई इज्जत-मान नहीं रह जाता। समाज की ही बात ले लो। समाज हमेशा गुरुओं के साथ न खड़ा होकर विद्यार्थियों के साथ खड़ा होता है।

अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। जीवन में हमेशा सदमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जो हमें जीवन पथ पर भटकने से बचाता है तथा जीवन में हमारा मार्गदर्शन करता हुआ हमें उन्नति की ओर ले जाता है। गुरु की परंपरा हमारे देश में बहुत प्राचीन है। यह परंपरा प्राचीन काल से आज तक चली आ रही है। इसका हिंदू संस्कृति में एक सर्वोच्च स्थान रहा है। हिंदू संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म अथवा ईश्वर का स्वरूप माना गया है। हमारी प्राचीन परंपराओं के अनुसार गुरु के बिना ज्ञान संभव नहीं है। गुरु ही है जो हमें ज्ञान प्रदान करता है और इस सृष्टि के सारे रहस्यों के भेद खोलता है। गुरु के बिना हमारा कल्याण संभव नहीं है।

चाहे गलती विद्यार्थी की ही क्यों न हो? विद्यार्थी के लिए सभी दरवाजे खुले हैं। गुरु अभिमन्यु की तरह चक्करव्यूह में छटपटाता है। उसके लिए सभी दरवाजे बंद हैं। उसके हाथ इस कद्र बंधे हुए हैं कि पानी पुल के ऊपर से गुजर जाएगा, परंतु पुल मजबूरी में सब कुछ देखता रहेगा। उसका कहां वश चलता है। व्यवस्था हमारी इतना भयानक रूप ले चुकी है कि गुरु करे तो क्या करे? व्यवस्था के आगे उसके भी हाथ खड़े हैं। वे लोग भी अध्यापकों के ऊपर उंगली उठाने से नहीं चूकते जो अपनी पढ़ाई आधी-अधूरी छोडक़र छोटी उम्र में ही शिक्षा से किनारा कर लेते हैं। उनको पता नहीं होता कि विद्यार्थी से अध्यापक बनने तक की कठिन यात्रा में कितनी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। कुर्सी तक पहुंचने के लिए कितने आंधी-तूफानों से टकराना पड़ता है। गुरुओं की पहचान गुम होने का कारण हमारी शिक्षा प्रणाली भी है। जब विद्यार्थी बिना पढ़े पास हो जाएगा तो वह गुरुओं का क्या आदर-सत्कार करेगा? अब सरकार की ओर से अच्छी पहल की गई है कि पांचवीं और आठवीं में भी विद्यार्थी फेल किए जा सकेंगे जो किसी वजह से पढाई में नहीं चल पा रहे हैं। अगर देखा जाए तो अध्यापक भी अपनी अस्मिता के गुम होने के लिए कुछ हद तक जिम्मेवार है। जो अधिकार उनको दिए गए हैं, वे उनको अपने जीवन में उतार नहीं पा रहे हैं। कितने अध्यापक हैं जिन्होंने 2019 से, जब से पांचवीं और आठवीं में फेल होने का नियम बना है, बच्चों को फेल किया? कितने अध्यापक हैं जिन्होंने 75 फीसदी से कम हाजिरी वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने से रोका? कितने अध्यापक हैं जिन्होंने उद्दंड विद्यार्थियों को असेसमेंट में फेल किया? और भी बहुत से कारण हैं जिनकी वजह से दिन-प्रतिदिन माहौल बिगड़ता जा रहा है। विद्यार्थी उद्दंड होते जा रहे हैं। ऐसे विद्यार्थी फिर गुरुओं का क्या आदर-सत्कार करेंगे? आज जरूरत है अध्यापकों को भी, कि विद्यार्थियों के सामने आदर्श प्रस्तुत करें। फूंक-फूंक कर कदम रखें। समाज को भी चाहिए कि उनका हरसंभव सहयोग करे।

आप का नजरीया

धर्मशाला में कन्वेंशन सेंटर

मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की गर्माहट में कांगड़ा सुखविंदर सिंह सुक्खू को करीब देख रहा है, तो पर्यटन राजधानी के सफर की मंजिलें भी नजर आने लगी हैं। युग बदल रहा गगल एयरपोर्ट का विस्तार अब रेखांकित होने लगा है, तो एशियन विकास बैंक के वित्तीय सहयोग से धर्मशाला, नगरोटा, पालमपुर व पौंग बांध तक आशाएं तैरती हुई मिल जाएंगी। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर की रूपरेखा में मुख्यमंत्री ने अपनी प्राथमिकता जाहिर की है। करीब डेढ़ सौ करोड़ की लागत से बनने वाला यह सेंटर हिमाचल को गोवा व कश्मीर के पर्यटन के नजदीक खड़ा कर देगा। हालांकि कागजों में झूलती इस परियोजना ने पहले भी कई नक्शे खींचे, लेकिन अब हकीकत के द्वार पर मुख्यमंत्री ने स्पष्टता से इसकी 'नेमप्लेट' लगा दी। कुछ ऐसे ही यथार्थ की जमीन पर ढगवार दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र का नींव पत्थर भी भविष्य की कलम से ग्रामीण आर्थिकी लिख रहा है। डेढ़ से तीन लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता में दुग्ध उत्पादक की गारंटी दे रहा। पांच जिलों के दायरे में 35 हजार किसानों की किस्मत के पैमाने अगर यह मिल्क प्लांट भर पाता है, तो यह श्वेत क्रांति का ऐतिहासिक दस्तावेज सिद्ध होगा। अंततः शीतकालीन प्रवास की वकालत में प्रदेश की योजनाओं का ढर्रा बदलने की कोशिश ही तो रही है। इसी परिप्रेक्ष्य से कांग्रेस सरकार की पेशकश में कांगड़ा में उतर रहीं परियोजनाएं अपना कद और पदक लेकर हाजिर हैं। यह दीगर है कि बीच में राजनीतिक नोकझोंक से कुछ विरोध केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर को लेकर शुरू है, लेकिन अगर इस विषय पर भाजपा गंभीर है तो इस परियोजना की फंडिंग में कुछ तो उदारता केंद्र से ले आती। केंद्र सरकार पर्यावरण संरक्षण के नाम पर मांग रही 30 करोड़ की राशि को निरस्त भी तो कर सकती है। वैसे 70 प्रतिशत अपनी जमीन जंगल के नाम पर कर देने वाले हिमाचल पर ऐसे फौलादी कानूनों का अत्याचार शीघ्रता से दूर होना चाहिए, वरना अमल में आने से पहले कई प्रस्तावित परियोजनाएं दम तोड़ती रहेंगी। दूसरी ओर सरकार को भी जदरांगल परिसर की परीक्षा में तो सफल होना ही पड़ेगा। इस परिसर का अध्याय कितना भी नजरअंदाज हो, इसे बंद करना किसी भी सरकार के लिए नामुमकिन होगा। इस संदर्भ में भाजपा ने अपना विरोध जताया है, लेकिन पिछली सरकार के समय भी यह मुद्दा यूं ही भटकता रहा है। दूसरी ओर यूनिटी माल के निर्माण में हो रही देरी ने आशंकाएं बढ़ा दी हैं। यूनिटी माल की जगह पर बजट की पहली किस्त आने के बावजूद अगर निर्माण की शिथिलता है, तो इसको लेकर विपक्ष की आशंका का क्या जवाब है। कहीं यह परियोजना भी केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे दलदल में खड़ी होने तो नहीं जा रही। बहरहाल कांगड़ा पर्यटन की राजधानी में बनखंडी का चिडियाघर अब एक बड़ी परियोजना को साकार करने के लिए आगे बढ़ रहा है। अभी कई योजनाएं विवादों में हैं। मसलन पालमपुर का पर्यटन विलेज अदालती फैसले के कारण कृषि विश्वविद्यालय से जमीन नहीं ले सका, तो नरघोटा में हिमुडा से पर्यटन के नाम हुई भूमि पर टूरिस्ट विलेज की परिकल्पना को क्यों ग्रहण लगा है।

हिंदू सेवा राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पर फायरिंग मामले में चार पुलिस टीमें जुटी जांच में

अजमेर (हिंस)। अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करने वाले विष्णु गुप्ता पर अज्ञात बदमाशों द्वारा हाइवे पर किशनगढ़ लाडपुरा पुलिया के निकट फायरिंग करने वाले बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन में चार टीमें गठित की गई है। चारों टीमों में पुलिस के तकनीकी रूप से होशियार और सोशल नेटवर्क में होनहार कर्मचारियों को जोड़ा गया है जो कि सीसीटीवी फुटेज खंगालने के काम में लग गए है। ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक रामचंद्र के अनुसार हथियारबंद जवान गाड़ियों की चैकिंग में लगाए गए हैं। गगवाना से निकलने वाले सभी मार्गों पर नाकाबंदी सख्त कर दी गई है। तीन थानों की पुलिस निरंतर जानकारी जुटाने में लगी है। इसमें क्रिश्चियनगंज, सिविल लाइन और गेगल पुलिस शामिल है। बता दें कि विष्णु गुप्ता ने घटना घटित होने के बाद गेगल पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था। घटना शनिवार सुबह विष्णु गुप्ता के दिल्ली लौटते समय जयपुर रोड गेगल थाना इलाके में लाडपुरा पुलिया के निकट हुई थी। यहां दो बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग करके गुप्ता को जान से मारने का प्रयास किया। हालांकि विष्णु गुप्ता ने फायर करने वाले बदमाशों और बाइक का हुलिया नहीं देखा लेकिन बंदूक से चली गोली उनकी कार के पिछले दरवाजे पर लगी है जिसकी पुष्टि ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक रामचंद्र ने भी की है। ग्रामीण सर्किल पुलिस ऑफिसर रामचंद्र ने बताया कि शनिवार सुबह लगभग 5-45 बजे विष्णु गुप्ता अपनी कार में सवार होकर अजमेर से दिल्ली जा रहे थे। इस दौरान लाडपुरा पुलिया के निकट उन पर दो अज्ञात बदमाशों द्वारा फायर करने की बात सामने आई है। दोनों अज्ञात बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार थे लेकिन विष्णु गुप्ता उन दोनों बदमाशों का और मोटरसाइकिल का हुलिया नहीं देख सके लेकिन उनके बगल में आकर बदमाशों ने गाड़ी के पिछले दरवाजे पर फायर किया है जो गाड़ी के गेट पर गोली लगी है। गेगल थाना पुलिस और पुलिस के अधिकारी मामले की पड़ताल कर रहे हैं।

बीपीएल परिवारों की अनदेखी पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत जिले में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सौ-सौ गज के प्लॉट आवंटन में बीपीएल परिवारों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए गांव रतनगढ़ के ग्रामीणों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने किया। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने आरोप लगाया कि प्लॉट आवंटन के ड्रॉ में कई पात्र बीपीएल परिवारों को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के कल्याण का दावा तो करती है, लेकिन योजना का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा। कई परिवारों को योजना के पोर्टल की जानकारी तक नहीं दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि कई परिवार मजदूरी पर निर्भर हैं और 30 गज के मकान में रहने को मजबूर हैं। उनके पास खेती की जमीन या अन्य संपत्ति नहीं है, फिर भी योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पाया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि योजना को जमीनी स्तर पर सही तरीके से लागू किया जाए।

चुनाव निर्धारित समय पर होंगे ताकि शेष समय विकास में लगे : मदनसिंह राठौड़

अजमेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदनसिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में पंचायत और नगरीय निकायों के चुनाव निर्धारित समय पर होंगे ताकि शेष समय विकास में लगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को राजस्थान सरकार ने भी स्वीकार किया है और इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। राजस्थान में पंचायतों के पुनर्गठन और नगरीय क्षेत्र के चुनाव निर्धारित समय पर हो जिससे शेष समय विकास में लग सके। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ शनिवार को अजमेर में मीडिया से बात कर रहे थे। वे यहां भाजपा संगठन चुनाव प्रक्रिया के पूर्ण होने पर जिला व देहात अध्यक्षों की घोषणा के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि यह खुशी की बात है कि अजमेर शहर से रमेश सोनी को फिर से जिलाध्यक्ष चुना गया है। शहरी क्षेत्र से एक मात्र नाम रमेश सोनी का ही था। उन्होंने पूर्व में राजस्थान सरकार की योजनाओं और घोषणाओं को बेहतर तरीके से धरातल पर क्रियान्वयन किया है। देहात क्षेत्र में पांच छह कर्मठ कार्यकर्ताओं के बीच मुकाबला था जिसमें से सर्वसम्मति से जीतमल प्रजापति का चुनाव हुआ। उन्होंने दोनों अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भाजपा ही है जहां धरातल के कार्यकर्ता को सर्वोच्च स्तर का सम्मान, पद और प्रतिष्ठा मिलती है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में भाजपा में संगठन पर्व चल रहा है। इसके तहत निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए थे। उन्होंने रायशुमारी कर पहले बूथ स्तर के चुनाव कराए फिर मण्डल अध्यक्षों का चुनाव किया। अब जिलाध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया भी सभी की रायशुमारी से एक राय होकर पूरी कर ली गई। इस मौके पर राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, डिप्टी मेयर नीरज जैन सहित अजमेर के अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र, मतदान बहुत बड़ी ताकत : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि मतदान में इतनी ताकत है कि इससे छोटे को बड़ा किया जा सकता है और बहुत बड़े को भी छोटा किया जा सकता है। उन्होंने बगैर लालच के निर्भीक होकर मतदान में सभी को भाग लेने का आह्वान किया। बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान करते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ भी दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मूल की संस्कृति, आचार पद्धति विश्व भर में प्रेरणा देने वाली रही है। इस संस्कृति के कारण ही लोकशाही हमारे यहां आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि आजादी मिलने पर चर्चिल ने कहा था कि भारत अज्ञानी देश है, यहां लोकतंत्र पनप नहीं सकेगा। पर यह हमारी मानवीय मूल्यों पर आधारित संस्कृति ही है, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र बना। उन्होंने नए युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने और मतदान में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने सभी को मतदान करने, मतदान सूचियों की त्रुटियां दूर करने में सहयोग करने और एक मतदाता का दो या तीन स्थानों पर नाम होने पर स्वयं प्रेरित होकर उसे एक ही स्थान पर सूची में नाम रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि *मतदाता दिवस* की सार्थकता इसमें है कि सामूहिक प्रयासों से अधिकाधिक मतदान हो। मतदान से कोई वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस मतदान के प्रति जागरूक ही नहीं करता बल्कि वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत करने से जुड़ा प्रेरक पर्व है। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने समारोह में मतदान जागरूकता के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 35 अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आरंभ में उन्होंने मतदान जागरूकता के आलोक में निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर मतदान और लोकतंत्र से संबंधित पेंटिंग्स की सराहना की। उन्होंने नवीन युवा मतदाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया। भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजीव कुमार का संदेश भी इस दौरान प्रसारित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। जल्द ही देश सौ करोड़ मतदाता वाला राष्ट्र हो जाएगा। यह कई देशों के संयुक्त मतदाता संख्या से भी अधिक है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने मतदान दिवस को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मतदान के महत्व की चर्चा करते हुए राजस्थान में मतदान के किए किए गए नवाचारों और मतदान दिवस के इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से अवगत कराया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सोनी ने सभी का आभार जताया। समारोह में आदिवासी कलाकारों द्वारा *वोट तुम डारो रसिया, लोकतंत्र की सुनो पुकार मत खोना अपना अधिकार* पर नृत्य और संगीत प्रस्तुति दी।

असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर लगाने के नाम पर दस लाख ऐंठे

जोधपुर (हिंस)। शहर के निकटवर्ती एकता नगर में रहने वाले युवक को उसके भाई की असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर पद पर नौकरी लगाने के नाम बाप बेटे ने दस लाख की ठगी कर ली। ना तो नौकरी दिलवाई और ना ही रकम लौटा रहे है। बाप बेटे ने मिली भगत कर फर्जी कॉल लेटर भी जारी करवाया। पीड़ित ने अब मंडोर थाने में कोर्ट में इस्तगासा दायर फर्जीवाड़े का केस दर्ज कराया है। पुलिस ने अग्रिम पड़ताल आरंभ की है। मामले में मेघवालों का बास गढ़सूरिया बोरूंदा हाल एकता नगर रमजान का हत्था बनाड़ निवासी अर्जुनराम पुत्र गुमानराम मेघवाल ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि पीपाड़शहर के जालका निवासी जबराराम पुत्र भोमाराम और उसके पुत्र रामकिशोर ने मिलकर उसके साथ दस लाख की ठगी कर ली। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी के पास में 17 मई 23 को रामकिशोर और उसके पिता जबराराम का कॉल आया था। तब उन्होंने परिवादी के भाई दिलीप परिहार को असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली मे वारंट ऑफिसर के पद पर गारण्टी से नौकरी लगाने का विश्वास दिलाया और कहा कि हम तेरे भाई को नौकरी लगा देगें। नौकरी के एवज में करीबन 10 लाख रुपए की मांग की। रामकिशोर चौपडा के परिचित व मित्र होने के कारण परिवादी ने रामकिशोर व उसके पिता जबराराम पर विश्वास व भरोसा करते हुए ऑनलाइन फोन पे के जरिए अलग-अलग 21 मई 2024 से अलग अलग तारीखों तक करीबन कुल 7 लाख रुपए मोबाईल पर अदा कर दिए। आरोपितों ने 6

फरवरी 24 को 3 लाख पहले ही रोकड़ ले लिए थे। इसके कुछ समय बाद प्रार्थी द्वारा रामकिशोर व उसके पिता जबराराम को फोन किया गया जिस पर उनके द्वारा कहा गया कि कुछ दिन तक रुकों तुम्हारे भाई की नौकरी के लिए आगे बात कर ली है और उन्हें रुपए भी भेज दिए है। आपके भाई की नौकरी का कॉल लेटर व ई-मेल के जरिए सूचना आ जाएगी। उसके बाद प्रार्थी कुछ दिन तक रूका। तब 22 नवंबर 2023 व 05 जुलाई 2024 को प्रोविजिनल अपॉइंटमेंट लेटर का कॉल लेटर आया। तब परिवादी को 22.11.2023 व 05.07.2024 को प्राप्त कॉल लेटर की सत्यता जानने के लिए विभाग जाने से पूर्व रोक लिया गया। बाद में रामकिशोर चौपडा का कॉल व मैसेज आया और कहा कि असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली वारंट ऑफिसर के पद की भर्ती रद्द कर दी गई और रामकिशोर ने यह भी कहा कि अनेक अभ्यर्थियों के फर्जी कॉल-लेटर जारी कर दिए है, इसलिए भर्ती रद्द कर दी गई है।

व्यापारियों की कर्ज माफी योजना नायब सरकार का ऐतिहासिक फैसला : सुमित गुप्ता

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चंडीगढ़ में हुई कैबिनेट बैठक में व्यापारियों के लिए 2,500 करोड़ रुपए की कर्ज माफी योजना की घोषणा का लघु उद्योग प्रकोष्ठ, भाजपा हरियाणा के प्रदेश सह प्रमुख सुमित गुप्ता ने स्वागत किया। उन्होंने इसे हरियाणा के व्यापारियों और लघु उद्योगों के लिए एक ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय बताया। शनिवार को जानकारी देते हुए सुमित गुप्ता ने कहा कि यह योजना प्रदेश के व्यापारियों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। इससे न केवल व्यापारियों की आर्थिक समस्याएं कम होंगी, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय को फिर से सशक्त बनाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यह कदम उनके व्यापारियों और उद्योगों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी समर्पण भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस एक समय समझौता योजना के तहत व्यापारियों द्वारा लिए गए कर्ज पर लगने वाला पूरा ब्याज माफ कर दिया गया है। जिन व्यापारियों का बकाया कर्ज 10 लाख रुपए या उससे कम है, उनकी मूल राशि में एक लाख रुपए की कटौती की गई है।

मत मतांतर की स्थिति को दूर करने के लिए धर्म संसद में प्रस्ताव पास हो : सत्यपाल

हिसार (हिंस)। स्वैच्छिक सामाजिक संस्था सजग ने मांग की है कि देश में बार बार त्योहार व व्रत आदि को मनाने की तारीखों पर मत-मतांतर की स्थिति को दूर करने के लिए महाकुंभ में 27 जनवरी को हो रही धर्मसंसद में हल निकालने पर प्रस्ताव पारित किया जाए। पहले अनेक बार मांग कर चुके सजग के प्रदेश अध्यक्ष वास्तु आर्किटेक्ट एवं लाइफ काउंसलर सत्य पाल अग्रवाल ने शनिवार को ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रयागराज महाकुंभ में हो रही धर्मसंसद में त्योहारों व व्रतों की मतभिन्नता का विषय भी शामिल किया जाए। उन्होंने पत्र में लिखा है कि देश एक तो फिर त्योहारों की तारीखें भिन्न-भिन्न क्यों, दो दिन दीवाली क्यों मने? इसलिए धर्म संसद प्रस्ताव पारित कर देश के उच्चकोटि के धर्माचारियों एवं पंचांग विद्वानों की एक केंद्रीय समिति गठित करें जो शास्त्रसम्मत गणना के अनुसार हर त्यौहार व्रत आदि का दिन सुनिश्चित कर उसकी घोषणा करे और वो पूरे देश में मान्य हो ताकि आम लोगों में किसी तरह का भ्रम न रहे और पूरी आस्था व श्रद्धा से देश के लोग एक साथ त्यौहार व व्रत मना सकें।

हरियाणा के सीआईडी चीफ को मिलेगा राष्ट्रपति पुलिस पदक

चंडीगढ़ (हिंस)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर हरियाणा के एक पुलिस अधिकारी को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा 8 अन्य पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किए जाएंगे। हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा गुप्तचर विभाग के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सौरभ सिंह को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित जाएगा। इसी तरह हरियाणा पुलिस में सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित होने वाले अधिकारियों में उप-पुलिस अधीक्षक इन्द्रजीत सिंह, गुप्तचर विभाग गुरुग्राम, निरीक्षक विश्वजीत, गुप्तचर विभाग चरखी दादरी, निरीक्षक विपिन कुमार, पुलिस अकादमी मधुबन करनाल, उप-निरीक्षक मोहन सिंह, टेलीकॉम पंचकूला हरियाणा, उप-निरक्षक रणबीर स्पेशल टास्क फोर्स करनाल, उप-निरीक्षक ओमप्रकाश सीन ऑफ क्राइम हिसार, उप-निरीक्षक नरेंद्र कुमार, मुख्यालय गुप्तचर विभाग, सहायक उप-निरीक्षक जगतार सिंह मुख्यमंत्री सुरक्षा डेस्क, गुप्तचर विभाग हरियाणा शामिल हैं। पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों

व जवानों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि राज्य पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों के अथक एवं निरंतर प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान समस्त पुलिस बल के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से पुलिस पदक से अलंकृत होने वाले अधिकारियों के साथ-साथ राज्य पुलिस बल के अन्य अधिकारियों व जवानों का भी मनोबल बढ़ेगा।

भारत का सांस्कृतिक नेतृत्व करता है दुनिया का मार्गदर्शन : रामलाल

महाकुंभ में भारत की अखंडता, भौगोलिक व राजनैतिक चुनौतियां विषय पर हुई संगोष्ठी

महाकुंभनगर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने कहा कि भारत का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नेतृत्व दुनिया का मार्गदर्शन करता रहा है। भारतवासी एकजुट होकर देश की अखंडता को बनाए रखते हुए विश्व को सुख-शांति का संदेश दें। वह मुख्य अतिथि के तौर पर दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार की ओर से शनिवार को कुंभ नगरी प्रयागराज की पावन भूमि पर *भारत की अखंडता - भौगोलिक और राजनैतिक चुनौतियां* विषय पर एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन भारत की अखंडता और सामाजिक चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से किया गया। भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि एकता भारतीय सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख

करते हुए राजनीतिक एकता और सनातन ध्वज के तले भारत की अखंडता को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. हर्षवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि महाकुंभ विचार-विनिमय और शास्त्रार्थ का पवित्र स्थल है। उन्होंने नेताओं के आचरण पर तंज कसते हुए आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. सुशील पंडित ने देश की सुरक्षा से संबंधित चार प्रमुख संकटों- बाहरी, आंतरिक, भीतरी शत्रु प्रेरित बाहरी, और बाहरी शत्रु प्रेरित भीतरी संकट पर प्रकाश डाला। कहा कि आत्मरक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और सभी नागरिकों को इन संकटों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। शांतनु गुप्ता ने भारत को विदेशी शक्तियों के प्रभाव से मुक्त करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने जाति और भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुटता और अखंडता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं समापन दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. आशीष गौतम ने किया। कार्यक्रम का समापन बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह के प्रेरणादायक संबोधन और सामूहिक वंदेमातरम् के गायन के साथ हुआ।

मरू महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में

जैसलमेर (हिंस)। पर्यटन मानचित्र पर प्रसिद्ध जैसलमेर के *मरू महोत्सव-2025* के शानदार एवं भव्य आयोजन के लिए तैयारियां अंतिम चरण में है। महोत्सव के सुचारू और सफल आयोजन के लिए जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने तैयारियों की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि यह महोत्सव इस बार 09 से 12 फरवरी 2025 तक चार दिवस का होगा। समीक्षा बैठक के मौके पर जिला कलक्टर सिंह ने पर्यटन विभाग द्वारा महोत्सव के 09 से 12 फरवरी तक आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से समीक्षा की एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारियों एवं होटल व्यवसाइयों व सम एवं खुहड़ी रिसोर्ट सोसायटी के पदाधिकारियों के साथ तैयारियों पर चर्चा की। मरु महोत्सव के दौरान पोकरण, जैसलमेर, सम व खुहड़ी में निर्धारित किए गए ।

69 हजार शिक्षक भर्ती : बेसिक शिक्षा निदेशालय पर अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

सुलतानपुर (हिंस)। उनहत्तर हजार शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी शनिवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस प्रशासन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा से मुलाकात कराई। इसके बाद अभ्यर्थियों को एक गार्डन धरना स्थल भेज दिया। अमरेंद्र पटेल के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने महानिदेशक को अपनी मांग संबंधित ज्ञापन सौंपा और सर्वोच्च अदालत में चल रही सुनवाई के संबंध में अवगत कराया। ज्ञापन लेने के बाद महानिदेशक स्कूली शिक्षा कंचन वर्मा ने अभ्यर्थियों को पहले तो गोलमोल जवाब दिया। फिर कहा कि आगामी 11 फरवरी को विभाग अपनी तरफ से मामले को जल्द सुनवाई कराने का न्यायालय से निवेदन करेगा। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र अमरेंद्र पटेल ने कहा वह पिछले चार साल से दर-दर की ठोकर खा रहे हैं, जबकि सभी न्यायिक स्तर से उन्हें जीत मिली हैं। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित कमेटी की जांच रिपोर्ट और हाईकोर्ट का ऑर्डर, सभी हमारे पक्ष में हैं। लेकिन फिर भी हमारे साथ अन्याय किया जा रहा

और हमें हमारे पदों पर नियुक्ति नहीं दी जा रही है। उनका कहना है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया था। यह मामला हाईकोर्ट में गया। इस पर लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाया और सरकार को तीन महीने के अंदर फैसले का पालन किए जाने का आदेश दिया। लेकिन सरकार की लापरवाही की वजह से अभी तक फैसले का पालन नहीं हो सका और यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार अपना पक्ष रखने में देरी कर रही है, जिसकी वजह से मामला लटकता चला जा रहा है। पटेल ने कहा की आंदोलन के माध्यम से हम सरकार से यही मांग कर रहे हैं कि वह सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई कराए और मामले को निस्तारित करें। जिससे हम सभी आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिल सके।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाताओं को दिलाई गई शपथ

अररिया (हिंस)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अनिल कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित पार्क में राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीएम सहित उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में डीएम अनिल कुमार द्वारा उपस्थित सभी मतदाताओं को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अनिल कुमार ने अपने संबोधन में सभी मतदाताओं को 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम के महत्व को बताया गया। नए युवा मतदाताओं को वोट जैसा महापर्व में आगे बढ़कर अपनी भागीदारी निभाने को लेकर प्रेरित किया गया। मौके पर जिला आइकन

लोक गायक अमर आनंद, प्रिया राज एवं एमए सानू द्वारा मतदाताओं को गीत के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम स्थल पर वोटर सेल्फी प्वाइंट पर बनाया गया था, जहां अधिकारी समेत अन्य लोग सेल्फी लेते नजर आए। मौके पर जिलास्तरीय डीटीओ सुशील कुमार, वरीय उप समाहर्ता संजय कुमार,सदर एसडीओ अनिकेत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. राम बाबु कुमार, वरीय उप समाहर्ता अरविन्द कुमार, जिला पीडब्लूडी आइकॉन साबरा तरन्नुम सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी गण एवं समाहरणालय के कर्मी तथा मतदातागण उपस्थित थे।

सीसीपीए का भ्रामक दावों के विज्ञापन के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सीएसई 2020 के परिणाम के बारे में कथित रूप से भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में सीसीपीए ने विजन आईएएस के खिलाफ यह आदेश जारी किया है।

सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि संस्था ने सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया। हालांकि, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2020 में उक्त सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी उपर्युक्त विज्ञापन में प्रकट नहीं की गई थी।

सीसीपीए का ये निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए लिया गया था।

मंत्रालय के मुताबिक यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। विजन आईएएस ने अपने विज्ञापन में निम्नलिखित दावा किया है। जिसकी जांच केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने किया है। दरअसल विजन आईएएस के विभिन्न कार्यक्रमों से सीएसई 2020 में शीर्ष 10 चयनों में 10 का दावा किया था।

उल्लेखनीय है कि विजन आईएएस यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के लिए भारत का प्रमुख शोध और प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान युवाओं को ऑफलाइन और ऑनलाइन सामान्य अध्ययन के लिए फाउंडेशन कोर्स की तैयारी कराता है।

न्यूज ब्रीफ

गिरिराज सिंह 28 जनवरी को हथकरघा सम्मेलन मंथन का उद्घाटन करेंगे

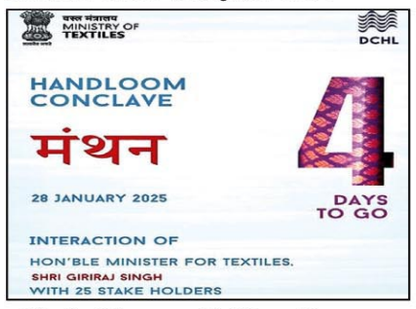

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 28 जनवरी को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन मंथन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर एचएमओटी हथकरघा बुनकरों के लिए ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कार का ऑनलाइन मॉड्यूल भी लॉन्च करेगा। कपड़ा मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह पहल बुनकरों की आजीविका में सुधार के साथ समग्र हथकरघा उद्योग में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। सम्मेलन में करीब 250 हितधारक भाग लेंगे, जिनमें 21 पैनलिस्ट शामिल हैं। इसमें देश के सभी हिस्सों से आने वाले 120 हैंडलूम लाभार्थी, बुनकर सेवा केंद्रों और आईआईएचटी के 35 अधिकारी, करीब 25 राज्य सरकार के अधिकारी (हैंडलूम, रेशम और वस्त्र) और वस्त्र मंत्रालय के विभिन्न अन्य विभागों और प्रतिष्ठानों के अधिकारी शामिल हैं। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे एक साथ आकर हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारों और रणनीतियों को साझा कर सकें।

अमिताभ बच्चन इंडिया गेट बासमती चावल के बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। इंडिया गेट बासमती चावल की मूल कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज बॉलीवुड

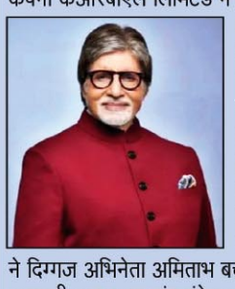

अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपने बासमती चावल इंडिया गेट ब्रांड का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। कंपनी ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को इंडिया गेट बासमती चावल का ब्रांड एंबेसडर बनाकर अपनी साझेदारी का खुलासा किया है। केआरबीएल ने कहा कि इंडिया गेट के साथ अमिताभ बच्चन का जुड़ाव ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि इंडिया गेट बासमती चावल सिर्फ एक ब्रांड नहीं है। यह एक विरासत है, जो पीढ़ियों से भारतीय घरों का हिस्सा है। केआरबीएल लिमिटेड के भारत में व्यवसाय प्रमुख आयुष गुप्ता ने कहा कि हम अमिताभ बच्चन का केआरबीएल परिवार में स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका शानदार कद, अटूट ईमानदारी और कालातीत आकर्षण हमारे मूल्यों और समृद्ध विरासत के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। गुप्ता ने कहा कि उनकी मौजूदगी के साथ कंपनी का लक्ष्य अपने उपभोक्ता जुड़ाव को गहरा करना है। उल्लेखनीय है कि केआरबीएल लिमिटेड एक भारतीय चावल प्रसंस्करण और निर्यात करने वाली कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी चावल मिलर है। ये कंपनी अपने इंडिया गेट ब्रांड के बासमती चावल के लिए सबसे ज्यादा जानी जाती है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला है।

मन्नार और पूनरी के प्रोजेक्ट रद्द होने की खबरों को अडानी समूह ने झूठा और भ्रामक बताया

अहमदाबाद। देश के दिग्गज कारोबारी समूह गौतम अदाणी ग्रुप ने उन सभी रिपोर्ट्स को खारिज किया हैं,

जिसमें दावा किया था कि श्रीलंका में मन्नार और पूनरी में अदाणी ग्रुप की कंपनियों को दिए गए 484 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट्स रद्द किए गए हैं। ऐसी रिपोर्ट्स को झूठा और भ्रामक बताकर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि ग्रुप श्रीलंका के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में करीब एक अरब डॉलर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। अडानी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा, मन्नार और पूनरी में अदाणी ग्रुप की 484 मेगावाट की विंड पावर प्रोजेक्ट्स को रद्द करने की खबरें पूरी तरह झूठी और भ्रामक हैं। हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि पीपीए (बिजली खरीद समझौता) को रद्द नहीं हुआ है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, मई 2024 में स्वीकृत टैरिफ का पुनर्मूल्यांकन करने का 2 जनवरी को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय एक सामान्य समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें विशेष रूप से एक नई सरकार यह सुनिश्चित करती है कि सौदे की शर्तें उनकी वर्तमान प्राथमिकताओं और ऊर्जा नीतियों के अनुरूप हैं। समूह प्रवक्ता ने कहा कि अदाणी ग्रुप श्रीलंका के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में एक अरब डॉलर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीलंका ने अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा विकसित दो विंड पावर स्टेशनों के लिए कंपनी के साथ 20 साल का बिजली खरीद समझौता किया। फरवरी 2023 में अदाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार टाउन और पूनरी गांव में 484 मेगावाट विंड एनर्जी प्लांट को विकसित करने के लिए 442 मिलियन डॉलर का निवेश करने की मंजूरी मिली थी।

2025 में ईवी कारें पेट्रोल और डीजल कारों से आगे निकल जाएंगी : रिपोर्ट

इस साल 28 नई गाड़ियां लॉन्च होने वाली हैं, जिनमें से 18 इलेक्ट्रिक होंगी

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में एक क्रांति की राह पर चलते हुए 2025 तक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) कारें पेट्रोल और डीजल वाहनों से आगे निकल सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल 28 नई गाड़ियां लॉन्च होने वाली हैं, जिनमें से 18 इलेक्ट्रिक होंगी। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो साल में हर साल लॉन्च किए गए 4-5 ईवी मॉडल से बहुत बड़ा उछाल है।

2023 और 2024 में लॉन्च की गई 11 और 15 नई गाड़ियों की संख्या को भी यह आंकड़ा पार कर जाएगा। विश्लेषकों का मानना है कि ऑटो सेक्टर की ग्रोथ का बड़ा कारण जीरो-एमिशन व्हीकल्स का बढ़ना होगा। ये वाहन इस साल पैसेंजर व्हीकल्स मार्केट में 2,00,000 यूनिट्स जोड़ते हुए कुल बिक्री का आधा हिस्सा बनाएंगे। किया इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इतने सारे ईवी लॉन्च के चलते ग्राहकों की रुचि इसमें बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि ईवी का पेनिट्रेशन 2 फीलसदी से बढ़कर 4 फीसदी तक हो सकता है। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सभी मैन्यूफैक्चर भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने भविष्य में इस सेगमेंट में और अधिक नवाचार एवं विकास की उम्मीद जताई। हुंडई को भी भारत के ईवी बाजार में बड़े विस्तार की उम्मीद है। कंपनी का अनुमान है कि ईवी की बिक्री 2024 में 2 फीसदी से बढ़कर 2030 तक कुल बाजार हिस्सेदारी का 15-20 फीसदी तक पहुंच जाएगी। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार की 5 फीसदी की कम जीएसटी दर और कई ओईएम द्वारा नए उत्पादों की पेशकश जैसे प्रयास प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा कंपनी ने आगामी ईवी के लिए बैटरी सेल स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से लेने के लिए साझेदारी की है। हुंडई 2030 तक भारत के प्रमुख हाईवे पर 600 फास्ट-चार्जर्स स्थापित करने पर भी काम कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का ईवी बाजार 43 फीसदी की कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट से बढ़ते हुए 2030 तक 9,32,000 यूनिट्स तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें से 61 फीसदी मांग इलेक्ट्रिक एसयूवी की होगी। 2024 में ईवी की बिक्री केवल 1,07,000 यूनिट्स थी, जबकि पूरे देश में लगभग 43 लाख कारें बिकी थीं।

टाटा खरीदेगी पेगाट्रॉन इंडिया में 60 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान की पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन की भारतीय इकाई पेगाट्रॉन टेक्नोलॉजी इंडिया में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सौदे से देश में आईफोन उत्पादन के मामले में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन के बीच अंतर काफी कम हो जाएगा। फॉक्सकॉन भी ऐपल के लिए ठेके पर आईफोन बनाती है। चेन्नई के समीप पेगाट्रॉन के आईफोन कारखाने में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए टाटा लंबे समय से बात कर रही थी। इससे पहले मार्च 2024 में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान की एक अन्य कंपनी विस्ट्रॉन के कर्नाटक कारखाने का अधिग्रहण किया था। इस कारखाने में भी ऐपल के लिए आईफोन बनाया जाता है। ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनियों की ओर से केंद्र और राज्य सरकार को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में कुल करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन का उत्पादन किया गया। इनमें फॉक्सकॉन ने 84,000 करोड़ रुपये (कुल उत्पादन का 56 फीसदी), टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने 40,000 करोड़ रुपये (26 फीसदी) और पेगाट्रॉन ने 26,000 रुपये मूल्य के आईफोन का उत्पादन किया था। पेगाट्रॉन सौदे के बाद देश में आईफोन के उत्पादन में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की हिस्सेदारी बढ़कर 44 फीसदी हो जाएगी और फॉक्सकॉन तथा टाटा के उत्पादन का अंतर कम हो जाएगा। इससे टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारियों की संख्या में भी काफी इजाफा होगा। पेगाट्रॉन में सीधे तौर पर काम करने वाले 17,000 कर्मचारी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में आएंगे जिससे कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 48,000 हो जाएगी।

आरबीआई ने 4 बैंकों पर की कार्रवाई

मुंबई

जम्मू एवं कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक पर लगाया जुर्माना

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए जम्मू एवं कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक पर जुर्माना लगाया है। जम्मू-कश्मीर बैंक पर वित्तीय समावेशन- बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच बुनियादी बचत बैंक जमा खाता (बीएसबीडीए), केवाईसी और ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध से संबंधित कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए 3.31 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

एक अन्य विज्ञप्ति में रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, जमा पर ब्याज दर और वित्तीय समावेशन, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच-बीएसबीडीए पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक पर 1.63 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

साथ ही गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए डेटसन एक्सपोर्ट्स पश्चिम बंगाल पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। प्रत्येक मामले में रिजर्व बैंक ने कहा कि दंड, वैधानिक और नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित हैं और इनका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है।

रूस से सस्ता तेल मिलेगा तो भारत खरीद जारी रखेगा

भारतीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने की स्थिति में उसकी खरीद जारी रखेगा। पुरी ने उज्जैन में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान कहा कि सरकार अब तक सबसे किफायती कीमत वाला कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री के इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती से बनाये रखने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने दीर्घकालिक और हाजिर दोनों तरह के सौदे करने के लिए तैयारी भी दिखाई। रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका के ऐतराज को भारत डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में नहीं आने देगा, यह मंत्री ने साफ कर दिया है। बहुत से उत्पादकों के कटौती के बावजूद बाजार में ज्यादा से ज्यादा कच्चा तेल उपलब्ध है। भारत अगर कहीं भी अच्छी छूट पर उपलब्ध है, तो वह वहां से खरीदेगा, मंत्री ने इसे स्पष्ट कर दिया। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह का तीसरा संस्करण उम्मीदवारी, प्रदर्शनियों और चर्चा सत्रों के मामले में वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण कदम है, इसे भागीदारी में शामिल होना सर्वांगीण ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यस बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में करीब तीन गुना होकर 612 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

नजी क्षेत्र के यस बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में करीब तीन गुना होकर 612 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 231 करोड़ रुपये रहा था। यह लाभ फंसे कर्ज के लिए प्रावधानों में कमी के कारण हुआ।

यस बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 9,341 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8,179 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 7,829 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,984 करोड़ रुपये थी।

बैंक के मुताबिक दिसंबर तिमाही में यस बैंक की शुद्ध ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 2,224 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,017 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.4 फीसदी पर स्थिर रहा। बैंक का परिचालन लाभ दिसंबर तिमाही में बढ़कर 1,079 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 864 करोड़ रुपये था।

यस बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधर कर 1.6 फीसदी हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में दो फीसदी रहा था। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी खराब कर्ज पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 0.9 फीसदी से घटकर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 0.5 फीसदी रह गया है। परिणामस्वरूप कर को छोड़कर कुल प्रावधान घटकर 259 करोड़ रुपये रह गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 555 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही पूंजी पर्याप्तता अनुपात घटकर 15.2 फीसदी हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही के अंत में 16 फीसदी था।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 310 रुपये से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में 1,100 रुपये प्रति किलोदग्राम तक की तेजी आई है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,430 रुपये से लेकर 82,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,560 रुपये से लेकर 75,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

रुपए में गिरावट से विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 11 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। रुपए में कमजोरी की वजह से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट का सिलसिला जारी है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले सप्ताह में यह भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है जिसके कारण रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, अब इसमें गिरावट देखी जा रही है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.88 अरब डॉलर घटकर 533.13 अरब डॉलर रह गई हैं। इस गिरावट के मामले में स्वर्ण भंडार का मूल्य 10.63 लाख डॉलर बढ़कर 68.95 अरब डॉलर हो गया है जबकि विशेष आहरण अधिकार 10 लाख डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.12 अरब डॉलर रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में इस गिरावट के साथ-साथ रुपए में कमजोरी एक गंभीर मुद्दा बन रहा है और सरकार को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

स्मृति मंधाना, ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल

दुबई

तीन भारतीय क्रिकेटरों को पिछले कैलेंडर वर्ष में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए शनिवार को आईसीसी महिला टी 20 आई टीम ऑफ द ईयर 2024 में चुना गया है। इन तीन खिलाड़ियों में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल हैं।

स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में 54 रनों की शानदार पारी खेलकर साल की शुरुआत की। अपनी निरंतरता के प्रमाण के रूप में, मंधाना ने साल का समापन भी इसी तरह से किया, घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतक बनाए, जिससे इस प्रारूप में उनकी विश्वसनीयता और भी बढ़ गई। उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें आईसीसी महिला टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष बेहद आक्रामक तरीके से रन बनाने की अपनी क्षमता के लिए जानी जाती हैं। घोष को जब भी बल्लेबाजी का मौका मिला, वह धमाकेदार फॉर्म में रहीं, उन्होंने दांबुला में यूएई के खिलाफ 29 गेंदों पर 220.68 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से 64* रन बनाए। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 2024 में 156.65 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट बनाए रखी, जिसमें एक और तेज अर्धशतक शामिल था, जो उन्होंने डीवाई पाटिल स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए, इस मैच में उन्होंने सिर्फ 21 गेंदों पर 54 रन की तेज पारी खेली।

दीप्ति शर्मा ने अपनी विश्वसनीय बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी से भारत के लिए अहम भूमिका निभाते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। 2024 में टी20आई मैचों में उन्होंने 17.80 की औसत और 6.01 की इकॉनमी रेट से 30 विकेट लिए। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने लगभग हर मैच में विकेट हासिल किए, जिसमें नेपाल के खिलाफ दांबुला में 4 ओवर में 3/13 और महिला एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 4 ओवर में 3/20 जैसे शानदार प्रदर्शन शामिल हैं, जिससे टीम में उनकी जगह पक्की हो गई।

आईसीसी महिला टी20 आई टीम ऑफ द ईयर 2024: लॉरा वोल्वार्ड्ट, स्मृति मंधाना, चमारी अटापट्टू, हेले मैथ्यूज, नैट साइवर-ब्रंट, मेली केर, ऋचा घोष, मारिजान कप्प, ओरला प्रेंडरगैस्ट, दीप्ति शर्मा और सादिया इकबाल।

न्यूज ब्रीफ

केआईडब्ल्यूजी 2025 का आयोजन स्थल गुपुक्स, जहां बर्फ और खेलों का होगा अद्भुत संगम

लेह। लद्दाख का गुपुक्स क्षेत्र, जहां कभी शुरुआती खिलाड़ी अपने स्केटिंग की शुरुआत करते थे, अब

राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों का केंद्र बन चुका है। यह स्थान एक प्राकृतिक तालाब से विकसित होकर एक मानक आइस रिंक में बदल चुका है, जहां खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडब्ल्यूजी 2025) जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन होते हैं। लद्दाख में गर्मियों के मौसम में पर्यटकों की बड़ी संख्या देखी जाती है, लेकिन जैसे ही ठंड का मौसम आता है, अधिकांश पर्यटक-आधारित प्रतिष्ठान बंद हो जाते हैं, और बाहरी गतिविधियाँ भी सीमित हो जाती हैं। इसके बावजूद, गुपुक्स सर्दियों में लद्दाख का खेल का मैदान बन जाता है। यहां विभिन्न आकारों के आइस स्केट्स किराए पर उपलब्ध होते हैं, और खाने-पीने के लिए फ़ूड ट्रक भी लगाए जाते हैं। यहां का जमे हुआ तालाब एक विशाल आइस रिंक के रूप में बदल जाता है, जो स्केटिंग के शौकियों को आकर्षित करता है। यह स्थान न केवल बच्चों के लिए, बल्कि बड़ों के लिए भी एक आदर्श स्थल बन चुका है, जहां वे बर्फ पर स्केटिंग का आनंद ले सकते हैं। माता-पिता यहां अपने बच्चों को स्केटिंग का अनुभव देने लाते हैं, और इस दौरान गुपुक्स वास्तव में लद्दाख का दिल बन जाता है। गुपुक्सः शौकिया से पेशेवर खिलाड़ी बनने का स्थल गुपुक्स वह स्थल है जहाँ शौकिया खिलाड़ी पेशेवर स्तर तक पहुँचते हैं। लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रीय टीमें यहां टूर्नामेंट और लीग के लिए अभ्यास करती हैं, साथ ही भारतीय सेना भी अपने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एक अलग आइस रिंक बनाए रखती है। पिछले कुछ वर्षों में, गुपुक्स ने भारतीय राष्ट्रीय आइस हॉकी टीम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लद्दाख से आइस हॉकी टीम के 97प्रतिशत पुरुष और 98प्रतिशत महिला खिलाड़ी गुपुक्स में अपने कौशल को निखार चुके हैं और इसे अपनी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। गुपुक्स, विशेष रूप से सर्दियों के महीनों में, लद्दाख में बाहरी गतिविधियों का केंद्र बन जाता है, जहां खिलाड़ी अपने सपनों को साकार करते हैं और शीर्ष पर पहुँचने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक रिंक,

मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए एआईएफएफ टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन खिलाड़ी चयनित

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ

(एआईएफएफ) की 23 सदस्यीय टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन मौजूदा खिलाड़ियों का चयन हुआ है। क्लब ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की। सुदेवा दिल्ली एफसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, यह पूरे सुदेवा परिवार के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि चयनित खिलाड़ी - फॉरवर्ड मोहम्मद जुल्किफ, मिडफील्डर मोहम्मद समी और जाजो प्रशान - भारत में फुटबॉल प्रतिभाओं को विकसित करने और मिशन विश्व कप 2030 के प्रति सुदेवा के समर्पण का प्रमाण हैं। इन मौजूदा खिलाड़ियों के अलावा, सुदेवा के दो पूर्व छात्र, जो प्रमुख क्लबों के लिए खेलने के लिए आगे बढ़े हैं, ने भी टीम में अपनी जगह बनाई है। गोलकीपर करण मक्कर वर्तमान में जमशेदपुर एफसी के साथ और डैनी मीतेई लैशराम, मिडफील्डर वर्तमान में नॉर्थ-ईस्ट यूनाइटेड के साथ हैं, जो अकादमी के व्यापक प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के स्थायी प्रभाव को प्रस्तुत करते हैं।

मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज से किया करार

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ करार किया है। स्पेन के विलाकैनास से

आने वाले ऑर्टिज 2025-2026 सीज़न के लिए मुंबई सिटी एफसी में शामिल होंगे और अपने अनुभव और गुणवत्ता को टीम में लाने की कोशिश करेंगे। गेटाफे सीएफ की युवा प्रणाली के उत्पाद, ऑर्टिज ने स्पेन में एक प्रभावशाली करियर बनाया है, जिसमें एटलेटिको मैड्रिड बी के साथ एक स्पेल भी शामिल है। 2022 में, वह शेन्ज़ेन पेंग सिटी में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने 2022-2023 तक चाइना लीग वन में खेला और 2024 में चीनी सुपर लीग में भाग लिया, जिसमें 56 मैचों में कुल 15 गोल और 11 सहायता दर्ज की गई। ऑर्टिज एएफसी स्तर पर भी अनुभव लाते हैं, 2021 एएफसी चैंपियंस लीग में प्रमुखता से शामिल हुए और स्कोरिंग की। आईएसएल में ऑर्टिज ने 14 गोल और 8 सहायता के साथ 36 मैच खेले हैं। वर्तमान इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन के महत्वपूर्ण मोड़ पर उनके हस्ताक्षर से आइलैंडर्स की टीम मजबूत होगी।

रोहित, पांड्या, बुमराह, अर्शदीप आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल

दुबई

रोहित शर्मा को आईसीसी पुरुष टी20आई टीम ऑफ द ईयर का कप्तान चुना गया है, जबकि हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह भी अपने कप्तान के साथ स्टार खिलाड़ियों से सजी इस टीम में शामिल हैं।

रोहित की कप्तानी में भारत ने पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्होंने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी भी विजेता टीम का हिस्सा थी।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने अपनी बल्लेबाजी का हुनर ??दिखाया और 11 मैचों में 42.00 की शानदार औसत और 160 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए। रोहित ने टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए, इसमें सुपर आठ चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की विस्फोटक पारी भी शामिल है।

अपनी बल्लेबाजी के अलावा, रोहित के नेतृत्व ने दबाव भरे क्षणों में एक युवा भारतीय टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके नेतृत्व ने सुनिश्चित किया कि वह वर्ष उनके देश के लिए यादगार रहे।

हार्दिक पांड्या ने 2024 में शानदार प्रदर्शन के साथ सबसे छोटे प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की, जिससे वह आईसीसी पुरुष टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

17 मैचों में 352 रन बनाने और 16 विकेट लेने वाले पांड्या का योगदान भारत के लिए एक सफल वर्ष में महत्वपूर्ण था, जिसने उन्हें 20 ओवर के प्रारूप में विश्व चैंपियन का ताज पहनाया।

31 वर्षीय पांड्या ने यूएसए और वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बल्ले से 144 रन बनाए, साथ ही 11 विकेट भी लिए, जिसमें फाइनल में प्रोटियाज के खिलाफ अंतिम ओवर में 16 रन बचाकर भारत को जीत दिलाना भी शामिल है। इस खेल में उन्होंने 2024 में 3/20 के अपने सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ चमक भी दिखाई।

ऑलराउंडर ने बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-स्टेज में किया, जिसके खिलाफ उन्होंने नाबाद 50 रन बनाए।

भारत के तेज गेंदबाज बुमराह की 2024 में टी20 क्रिकेट में वापसी शानदार रही, क्योंकि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की सटीक यॉर्कर और डेथ ओवरों में महारत भारत के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण रही। उन्होंने आठ मैचों में 8.26 की जबरदस्त औसत से 15 विकेट लिए।

विश्व कप से परे, बुमराह की सभी प्रारूपों में निरंतरता ने विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि की। बुमराह आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए नामांकित होने की दौड़ में हैं।

दूसरी ओर, अर्शदीप 2024 में भारत के सबसे सफल गेंदबाज थे, जिन्होंने 18 मैचों में 13.50 के प्रभावशाली औसत से 36 विकेट लेकर वर्ष का समापन किया और उन्हें दुनिया के आठवें सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज का दर्जा दिया। उनका असाधारण प्रदर्शन टी20 विश्व कप में आया, जिसमें उन्होंने आठ मैचों में 17 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

अपनी सटीकता और संयम के लिए जाने जाने वाले अर्शदीप ने डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, अक्सर भारत के पक्ष में खेल को मोड़ दिया, और गेंद को जल्दी स्विंग करने और अंत में पिन-पॉइंट यॉर्कर करने की उनकी क्षमता ने उन्हें टी-20 क्रिकेट में एक संपूर्ण पैकेज बना दिया।

गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टी20 विश्व कप में सह-मेजबान यूएसए के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 4/9 के शानदार स्पेल से उन्हें ध्वस्त कर दिया। 2024 में अर्शदीप के उदय ने उन्हें व्यापक मान्यता दिलाई, जिसमें आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकन भी शामिल है।

आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर इस प्रकार है-

रोहित शर्मा (कप्तान), ट्रैविस हेड, फिल साल्ट, बाबर आजम, निकोलस पूरन, हार्दिक पांड्या, सिकंदर रजा, राशिद खान, वानिंदु हसरंगा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह।

रणजी ट्रॉफी: शार्दुल ठाकुर का शतक बेकार, जम्मू-कश्मीर ने मुंबई को 5 विकेट से हराया

मुंबई

रणजी ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने शनिवार को शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले गए मैच में मुंबई को 5 विकेट से हराकर यादगार जीत दर्ज की। मुंबई की पहली पारी में खराब शुरुआत मुंबई के कप्तान अजिंक्या रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, उनकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 47 रनों पर टीम ने अपने सात प्रमुख बल्लेबाजों को गंवा दिया। यशस्वी जायसवाल (4), रोहित शर्मा (3), अजिंक्या रहाणे (12), और श्रेयस अय्यर (11) जैसे नामी बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद शार्दुल ठाकुर (51) और तनुश कोटियन (26) ने पारी को संभालते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया।

जम्मू-कश्मीर की तरफ से उमर नजीर और युद्धवीर सिंह ने 4-4 विकेट झटके, जबकि आकिब नबी ने 2 विकेट लिए। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में बढ़त हासिल की जवाब में जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (53), आबिद मुश्ताक (44), और यावर हसन (29) की पारियों की मदद से 206 रन बनाए और 86 रनों की अहम बढ़त हासिल की। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। शार्दुल ठाकुर और शम्स मुलानी ने 2-2 विकेट लिए। मुंबई की दूसरी पारी: शार्दुल ठाकुर का शतक दूसरी पारी में मुंबई ने बेहतर शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल (26) और रोहित शर्मा (28) ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े। हालांकि, इसके बाद टीम का मध्यक्रम फिर लड़खड़ा गया और 101 के कुल स्कोर तक 7 विकेट गिर गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (119) और तनुश कोटियन (62) ने आठवें विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मुंबई को 290 के स्कोर तक पहुंचाया और जम्मू-कश्मीर के सामने जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य रखा। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 4 और युद्धवीर सिंह ने 3 विकेट झटके। जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (45) और यावर हसन (24) की सधी हुई शुरुआत की।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के बारहवें दिन महिला एकल सेमीफाइनल मैच में रॉक आइलैंड की मूल निवासी मैडिसन कीज़ पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराने का जश्न मनाती हुई।

आईएसएल: अपनी तीसरी जीत पाने के लिए मुम्बई सिटी से भिड़ेगी मोहम्मडन एससी

मुम्बई

मुम्बई सिटी एफसी रविवार शाम अपने घरेलू मैदान मुम्बई फुटबॉल एरिना में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मोहम्मडन एससी की मेजबानी करेगी, जो माकूल परिणाम हासिल करके प्लेऑफ की होड़ में खुद को बनाए रखने और ब्लैक पैंथर्स के खिलाफ लीग डबल पूरा करने की कोशिश करेगी।

मुम्बई सिटी एफसी 16 मैचों में छह जीत, छह ड्रा और चार हार से 24 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग 16 मैचों में दो जीत, पांच ड्रा और नौ हार से 11 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। मुम्बई को हालिया घरेलू मुकाबलों में संघर्ष करना पड़ा है, क्योंकि उनको घर पर लगातार मैचों में 0-3 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार (1 जीत, तीन ड्रा) में अपराजित रही है, जिसमें दो अवे मैचों में तीन क्लीन शीट शामिल हैं।

मुम्बई के 19 गोल में से ग्रीक स्ट्राइकर निकोलाओस करेलिस ने नौ स्कोर किए हैं।

रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) के प्रोडक्ट नाथन रोड्रिग्स, कप्तान लालियानजुआला छांगटे और योएल वान नीफ ने दो-दो गोल किए हैं।

मिर्जालोल कासिमोव और लालरेमसंगा फनाई मोहम्मडन एससी के शीर्ष स्कोरर हैं, जिन्होंने दो-दो गोल किए हैं।

इस सीजन में दूसरे सबसे कम अपेक्षित गोल (15.18) होने के बावजूद, मुम्बई सिटी एफसी ने 22 गोल खाए हैं, जो सबसे अधिक अंतर (6.82) है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी, हालांकि उसने लीग में सबसे कम आठ गोल किए हैं।

मुम्बई ने अपने 16 मैचों में 5646 पास पूरे किए हैं, जो बेंगलुरू एफसी (5722), केरला ब्लास्टर्स (5665) और मैरिनर्स (5660) के बाद लीग में चौथा सबसे अच्छा आंकड़ा है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग की हवाई द्वंद्व सफलता दर दूसरी सबसे खराब (43.9प्रतिशत) है और इस सीजन में उसने सात गोल हैडर से खाए हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में दो अवे मैच जीते हैं, और ये दोनों जीत चेन्नइयन एफसी और बेंगलुरू एफसी के घर पर मिली हैं। मुम्बई अपने घर पर मोहम्मडन स्पोर्टिंग के वार से बचना चाहेंगे।

मुम्बई के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी ने कहा कि मुम्बई सिटी को पूरे तीन अंक जीतने के लिए संघर्ष करना होगा।

उन्होंने कहा, हमें यह मुकाबला जीतना होगा, चूंकि हम घर पर खेल रहे हैं, इसलिए हमें मजबूत प्रदर्शन करना होगा और जीतने के लिए पूरा दमखम लगाना होगा। ब्लैक पैंथर्स के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव ने मुम्बई सिटी एफसी को ताकतवर टीम बताया।

अस्मिता खेलो इंडिया लीग: अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में फुटबॉल की चमक

नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में इस जनवरी उगते सूरज के साथ फुटबॉल का जोश और उत्साह भी नई ऊँचाइयों पर पहुँच गया। केंद्र सरकार की प्रमुख पहल अस्मिता खेलो इंडिया महिला लीग ने इस बार शि योमी, जीरो और नाहरलागुन जैसे दूरदराज के इलाकों में फुटबॉल का आयोजन किया, जिसमें लगभग 500 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

15 जनवरी से शुरू हुए इस टूर्नामेंट ने भारतीय-चीन सीमा के पास स्थित छोटे से गाँव मोनीगोंग में भी उत्साह का संचार किया। यहाँ विभिन्न आयु समूहों (अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17) की लड़कियों ने लीग में भाग लिया।

शि योमी जिले में 9वें ग्रेनेडियर के मेजर अंकित शर्मा, जो पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि थे, ने कहा, इनमें से 70प्रतिशत लड़कियों ने पहली बार फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने सिर्फ 10 दिनों की तैयारी के

बावजूद शानदार प्रदर्शन किया।

खेल समावेशिता को बढ़ावा देती अस्मिता लीग

अस्मिता लीग का पूरा नाम 'अचीविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वीमेन थ्रू एक्शन' है। यह केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा देना है।

अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना ने लीग की सराहना करते हुए कहा, अस्मिता ने हमारी लड़कियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका दिया है। यह खेल और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस सत्र में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को अस्मिता लीग के निर्बाध आयोजन के लिए 3.07 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की। इस सत्र में कुल 90 शहरों में टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, जिसमें 7,000 से अधिक लड़कियों ने हिस्सा लिया।

दूरदराज के बच्चों के लिए बड़ा मंच

शि योमी जिले के मोनीगोंग के सरकारी माध्यमिक विद्यालय के फुटबॉल कोच दावा रुकू ने कहा, इस क्षेत्र के बच्चों को अस्मिता लीग के माध्यम से एक बड़ा मंच मिला है। परिवहन की समस्याओं के कारण यहाँ के बच्चे बाहर खेलने नहीं जा सकते थे। लेकिन अब उन्हें अपने ही क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि लीग न केवल खेलों को बढ़ावा दे रही है, बल्कि बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी माध्यम बनी है।

72 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

अस्मिता लीग की विजेता टीमों के लिए कुल 72 लाख रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। हालाँकि, इसका प्रभाव पुरस्कार राशि से कहीं आगे तक जाता है। कोच दावा रुकू ने विश्वास जताया कि यह मंच लड़कियों को राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम तक पहुँचने में सक्षम बनाएगा।

स्थानीय समुदाय में उम्मीद की नई किरण

अस्मिता लीग ने न केवल फुटबॉल को अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज इलाकों में पहुँचाया, बल्कि स्थानीय समुदाय में गर्व और उम्मीद का संचार भी किया। यह पहल एक खेल प्रतियोगिता से बढ़कर समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत बन चुकी है।

76वें गणतंत्र दिवस पर विशेष

आखिर कब समझेंगे हम गणतंत्र की मूल भावना

■ योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष की भांति एक और गणतंत्र दिवस हमारी चौखट पर दस्तक दे चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए यह गर्व का दिन है क्योंकि भारत ने देश की आजादी के बाद स्वयं का संविधान बनाकर 26 जनवरी 1950 के दिन इसे लागू कर इसी दिन प्रभुत्ता सम्पन्न सार्वभौमिक प्रजातंत्रात्मक गणराज्य बनने का गौरव हासिल किया था। 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप मनाने की शुरूआत के पीछे मूल भावना यही थी कि देश का प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की मर्यादा की रक्षा करने, स्वयं को देशसेवा में समर्पित करने तथा राष्ट्रीय हितों के प्रति आस्था का संकल्प ले, साथ ही इन पर अमल करे लेकिन विडम्बना है कि गौरवान्वित कर देने वाले इस विशेष अवसर पर ऐसे संकल्पों को प्रतिवर्ष दोहरा कर या स्मरण मात्र करते हुए हम अपने कर्त्तव्यों और उत्तरदायित्वों की इतिश्री कर लेते हैं। सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं। *गणतंत्र* का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक सीमित रह गई हो, वहां गणतंत्र का भला क्या महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केंद्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों? हालांकि इसमें संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 75 वर्षों के हालात का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। नि:संदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निर्माताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निर्माताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी। संसद-विधानसभाओं में एक-दूसरे के साथ मारपीट, घूंसेबाजी, चप्पल, माइक इत्यादि से प्रहार, कुर्सियां फेंकने जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र में शर्मनाक पैठ बना चुकी हैं। वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही ऐसी असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वा कर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़-सी लगी है। अदालतें जब भी संसद या विधानसभाओं में आपराधिक तत्वों का प्रवेश रोकने की दिशा में कुछ सार्थक पहल करने की कोशिश करती हैं, तमाम राजनीतिक दल उसे संसद के अधिकार क्षेत्र में न्यायिक दखलंदाजी करार देते हुए हो-हल्ला मचाने लगते हैं। राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सांसदों-विधायकों की रुचि लगातार कम हो रही है। प्रत्येक संसद सत्र में हंगामा व शोरशराबा करके संसद का बेशकीमती समय नष्ट कर देना जैसे एक परम्परा बन चुकी है। सदन से बहुत से सदस्य लंबे-लंबे समय तक गैरहाजिर रहते हैं। सर्वसम्मति के अभाव में देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिल लंबे समय तक लटके पड़े रहते हैं लेकिन आश्चर्य की बात है कि जब जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते अथवा अन्य ऐशोआराम की सुविधाएं बढ़ाने की बात आती है तो पूरा सदन एकजुट हो जाता है और ऐसे मामलों में पलक झपकते ही सर्वसम्मति बन जाती है। तब सदन में सदस्यों की उपस्थिति संख्या भी देखते ही बनती है। एक समय था, जब संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक बहस होती थी लेकिन अब हर संसद सत्र हंगामे और शोरशराबे की भेंट चढ़ जाता है। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि संसद का एक-एक मिनट बहुमूल्य होता है। संसद के प्रत्येक मिनट के कामकाज पर ढाई लाख रुपए से अधिक खर्च होते हैं अर्थात् आठ घंटे की संसद की कार्रवाई पर बारह करोड़ रुपए से भी अधिक खर्च होते हैं। आए दिन इसी तरह संसद में हंगामे होने, सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने या सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने से देश को कितना आर्थिक नुकसान होता है, इसका अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है। संसद अथवा विधानसभाओं की कार्यवाही पर होने वाला यह भारी-भरकम खर्च जनप्रतिनिधियों की जेबों से नहीं निकलता बल्कि इसका सारा बोझ देश की आम जनता वहन करती है। बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि गणतंत्र की जो तस्वीर हमारे जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत की जा रही है, क्या हम उस पर गर्व कर सकते हैं? गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर को इतनी धूमधाम से मनाए जाने का सही लाभ तभी है, जब न केवल देश का प्रत्येक नागरिक बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और नौकरशाह भी संविधान की गरिमा को समझें और उसके अनुरूप अपने आचरण में पारदर्शिता भी लाएं।

आज गणतंत्र दिवस है

भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यानी देश का संविधान लागू हुए कुल मिलाकर 75 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पूरे देश में देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों की मदद से आप अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले सकते हैं जो स्कूल-कॉलेज में अक्सर आयोजित की जाती हैं। यहां पर हम आपके लिए कुछ आसान गणतंत्र दिवस के निबंध लेकर आए हैं जिनकी मदद से आप अपने लिए निबंध लिखने की समझ विकसित करके प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं, साथ ही प्राइज भी जीत सकते हैं। गणतंत्र दिवस हर साल 26 जनवरी को मनाया जाता है। यह हमारा राष्ट्रीय त्यौहार है। इस दिन 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। तब से भारत एक गणतंत्र देश बन गया। गणतंत्र दिवस हमें अपने संविधान का सम्मान करने की याद दिलाता है। यह हमें एक बेहतर भारत बनाने के लिए काम करने के लिए भी प्रेरित करता है। हम सब मिलकर देश को आगे बढ़ा सकते हैं। स्कूलों में हम देशभक्ति गीत गाते हैं। भाषण देते हैं और प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। यह दिन हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। आइए, हम सब मिलकर इस दिन को खास बनाएं। स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तरों में झंडा फहराया जाता है। कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर एक बड़ी परेड होती है। यह परेड भारत की ताकत, संस्कृति और उपलब्धियों को दिखाती है। बहादुर सैनिकों और नागरिकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। हर साल 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं। यह हर भारतीय के लिए गर्व का दिन होता है। इस दिन 1950 में हमारा संविधान लागू हुआ था। तब से भारत एक गणतंत्र देश बन गया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने कितने त्याग किए। हमें उन नेताओं के सपनों को भी याद करना चाहिए जिन्होंने संविधान लिखा। गणतंत्र दिवस सिर्फ एक छुट्टी का दिन नहीं है। यह हमें अपने देश के बारे में सोचने का दिन है। यह हमें अपने कर्तव्यों को याद करने का दिन है। हमें अपने अधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिए। हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हमें एक अच्छे नागरिक बनना चाहिए। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए। स्कूल और कॉलेज बड़े उत्साह से गणतंत्र दिवस मनाते हैं। छात्र झंडा फहराते हैं, देशभक्ति के भाषण देते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं। निबंध प्रतियोगिताएं भी होती हैं। इन गतिविधियों से युवा पीढ़ी में देशभक्ति और एकता की भावना पैदा होती है। राजधानी दिल्ली में भी गणतंत्र दिवस की सबसे बड़ी धूम होती है। राष्ट्रपति कर्तव्य पथ पर झंडा फहराते हैं। इस मौके पर एक भव्य परेड भी होती है। इसमें हमारी सेना की ताकत, हमारी संस्कृति और नई तकनीक दिखाई जाती है।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S.Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings, Modular Kitchen & Accessories, etc.
INDIA
गणतंत्र दिवस
की शुभकामनाएं
D. Neog Path, Near Dona Planet, ABC,
G.S. Road, Guwahati - 781005
Cell : 97079-99344
E-mail : doorgraph@gmail.com

গণতন্ত্ৰ দিৱসৰ
আন্তৰিক শুভেচ্ছাৰে-
পূৰ্বাঞ্চল কেশৰি
(অসমিয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(Assamese Daily)
Good Luck Publication
House No. 30, D. Neog Path
ABC, Guwahati - 781005
Mob. : 94350 14771, 97070 14771

শর্মা হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road, Athgaon
Guwahati-781001
98648-02947
70025-06581

+91 98648-02947
সুমন ফাইবাৰ এণ্ড ইনটেৰিঅ'ৰ
SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon, Guwahati-781001
26 JANUARY
की हार्दिक बधाई
WHOLESALER OF :
PVC FALSE CEILING & WALL PANEL, DOOR FITTINGS, PLYWOOD, SUNMICA
POWER TOOLS, MODULAR KITCHEN & ACCESSORIES

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**